जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 49 | संख्याः 347 | प्रभात | कोटा, रविवार 29 सितम्बर, 2024 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

हिजबुल्लाह प्रमुख, अपने मुख्यालय में एक इज़रायली ''रिमोट ऑपरेशन'' में मारे गये

सबसे खतरनाक ''आतंकवादी'' संगठन के मुखिया की इस मौत ने इज़रायल की इस ताकत का एक बार फिर सबूत पेश कर दिया कि वह सीमा पार भी कहीं भी किसी भी ''आतंकवादी'' को खत्म कर सकते हैं

- इस घटना से, ''मिडिल ईस्ट'' की सुरक्षा एजेन्सियाँ स्तब्ध हैं और ईरान ने अपने सुप्रीम कमान्डर अली खुमैनी को एक गुप्त स्थान पर छिपा दिया है।
- जैसा कि विदित ही है, कुछ समय पूर्व ही इज़रायल ने हिजबुल्ला के उच्च स्तरीय सैन्य अधिकारी को, उनकी ईरान यात्रा के दौरान ऐसे ही ''रिमोट ऑपरेशन'' द्वारा मार दिया था।
- इस घटना ने ईरान के समक्ष भारी दुविधा उत्पन्न कर दी है। अगर व आक्रमक रूख रखते हुए इज़रायल के खिलाफ सैन्य कार्यवाही करता है तो पश्चिमी देशों, विशेषकर, अमेरिका से सीधे संघर्ष व युद्ध की स्थिति में आ जाता है। यह उसकी वर्तमान विदेश नीति की पहल के खिलाफ है, जो कि पश्चिमी देशों से संबंध ठीक करने की कोशिश है।
- दूसरी ओर अगर ईरान हिजबुल्लाह प्रमुख की ''हत्या'' के बाद भी कुछ नहीं करता है तो मिडिल ईस्ट में ''आतंकवादी'' संगठनों का मुख्य संरक्षक होने का ओहदा खो देगा।
- भारत के लिये भी यह हत्या शुभ संदेश नहीं है, क्योंकि इससे पाकिस्तान को एक बार फिर एक मौका मिल गया, ''इस्लामिक देशों'' को भारत के खिलाफ संगठित करने के लिये।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 सितम्बर। हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मृत्यु के साथ मिडिल ईस्ट की स्थिति ने और उत्तेजक मोड़ ले लिया है। इज़रायल ने लैबनान में बेरुत के पास एक दुःसाहसी हमला किया जिसमें हिजबुल्लाह चीफ मारा गया। इस घटना में समस्त सुरक्षा समुदाय को हिलाकर रख दिया।

इसने, सर्वाधिक खतरनाक ''आतंकवादी'' संगठन के सुप्रीम कमाण्डर को खत्म करने में इज़रायल को घातक पहुँच को दर्शाया है। नसरल्लाह करीब तीन दशक से हिजबुल्लाह का नेता था। नसरल्लाह की मृत्यु की पुष्टी ने इतना भय पैदा कर दिया है कि इरान ने कथित रुप से अपने सुप्रीम लीडर अली खोमैनी को किसी गुप्त स्थान पर भेज दिया है।

कुछ समय पहले ही इज़रायल ने, इरान की यात्रा पर आए हिजबुल्लाह के एक उच्च स्तरीय मिलिटरी अधिकारी को, राजधानी तेहरान के उत्तर में एक स्थान पर खत्म कर दिया था। इसके बाद हिजबुल्लाह ने मिसाइल हमलों की बरसात कर दी। हमला करने वालों में

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'मेरी दादी मृत्यु से चार दिन पहले कश्मीर आईं थी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 सितम्बर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बिसनाह में आयोजित जनसभा में बताया कि किस तरह से उनकी दादी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को महसूस हुआ कि

- प्रियंका गांधी ने कश्मीर की एक जनसभा में अपनी दादी की भावनापूर्ण यादें साझा कीं और बताया कि दादी इंदिरा गांधी को हत्या से चार दिन पहले महसूस हुआ कि खीर भवानी मंदिर जाना चाहिए। उस समय राहुल (14 वर्ष) और मैं (12 वर्ष) उनके साथ आए थे।

जम्मू-कश्मीर से बुलावा आया है और अपनी मृत्यु से मात्र चार दिन पहले खीर वे भवानी मंदिर में आईं थीं तथा उस समय राहुल गांधी, जिनकी उम्र 14 साल थी तथा 12 वर्ष की वे स्वयं उनके साथ आये थे।

उन्होंने एक जनसभा में कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर को अपनी राजनीतिक शतरंज में तब्दील कर दिया

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुम्बई युनिवर्सिटी के सीनेट पोल में उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने शानदार जीत दर्ज की

राजनैतिक पंडितों का मत है कि ये नतीजे आगामी विधानसभा चुनावों को प्रभावित करेंगे

- शिव सेना की युवा शाखा, युवा सेना के अध्यक्ष आदित्य ठाकरे ने कहा, यह तो बस शुरुआत है, आगामी विधानसभा चुनावों में यह नतीजा दोहराया जाएगा।
- सीनेट मुम्बई युनिवर्सिटी की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च निर्वाचित संस्था है और युनिवर्सिटी की हर गतिविधि पर नज़र रखती है। इसमें शिक्षक, प्रिंसिपल, कॉलेज मैनेजमैंट व ग्रैजुएट्स के प्रतिनिधि होते हैं। युनिवर्सिटी का बजट भी यही पारित करती है।
- शिव सेना ने इस महत्वपूर्ण व प्रतिष्ठित चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को हराया है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 सितम्बर। एक महत्वपूर्ण घटना, जिसका असर महाराष्ट्र के आगामी विधानसभा चुनावों पर पड़ना स्वाभाविक है, के अन्तर्गत, शिवसेना (यू.बी.टी.) ने आज मुम्बई विश्वविद्यालय की सीनेट के चुनाव में क्लीन स्वीप कर दिया।

चुनाव परिणामों की घोषणा हो जाने के बाद, आदित्य ठाकरे ने कहा कि यह तो केवल शुरुआत है तथा इसी प्रकार की जीत महाराष्ट्र के आगामी विधानसभा चुनावों में दोहरानी ही है।

युवा सेना, जिसके अध्यक्ष आदित्य ठाकरे हैं तथा जो शिवसेना (यू.बी.टी.) की युवा शाखा है, ने सीनेट चुनावों में इकतरफा जीत हासिल करते हुये, सभी 10 स्नातक सीटों पर बड़े शानदार तरीके से आर.एस.एस. के नेतृत्व वाली अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को हराकर, विजय प्राप्त कर ली।

आदित्य ठाकरे ने शिवसेना (यू.बी.टी.) प्रमुख उद्धव ठाकरे के निवास, ''मातोश्री'' के बाहर, उल्लास से भरे दिखाई दे रहे कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि सीनेट के लिये मतदान केवल मुम्बई में ही नहीं हुआ था, बल्कि थाणे, पालघर, रायगढ़ जैसे पड़ोसी जिलों तथा रत्नागिरि और सिन्धुदुर्ग जैसे दक्षिण कौंकण जिलों में भी हुये थे और इन चुनावों में पार्टी ने अपना प्रभाव दिखा दिया है।

उन्होंने कहा, ''हमने दिखा दिया है कि जीत क्या होती है। यह तो शुरुआत है। हमें विधानसभा (चुनावों में भी) ऐसी ही जीत दर्ज करनी है।

वर्ली विधायक ने आगे कहा कि यह विजय स्नातकों के मन में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के प्रति मौजूद विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने यह घोषणा भी की कि विद्यार्थियों और ग्रेजुएट्स के लिये एक हैल्पलाइन स्थापित की जायेगी।

सीनेट मुम्बई विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी निर्वाचित निर्णय लेने वाली तथा विश्वविद्यालय के काम-काज पर नज़र रखने वाली समिति है। इसमें शिक्षकों, प्राचार्यों, कॉलेज-प्रबंधनों के

(शेष पृष्ठ 3 पर)

क्या उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के दिन पूरे होने वाले हैं?

यू.पी. के राजनैतिक हलकों में इन दिनों यह सवाल जोर शोर से पूछा जा रहा है

- विशेषज्ञों का कहना है कि यू.पी. जहाँ कभी योगी आदित्यनाथ की तूली बोलती थी, पर लोकसभा चुनावों के बाद से उनकी पकड़ ढीली पड़ने लगी है। हालांकि, उनके समर्थक हार के लिए केन्द्रीय नेतृत्व को दोषी ठहराने का प्रयास कर रहे हैं, पर, स्थानीय नेता व कार्यकर्ता योगी पर निशाना साध रहे हैं।
- उत्तर प्रदेश में भाजपा 30 सीटें हारी जो कि पूरे देश में भाजपा द्वारा हारी गई सीटों की आधी हैं, इसी वजह से मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में तीसरे कार्यकाल में जद (यू) और तेलुगूदेशम पर निर्भर होना पड़ा है।
- चर्चा है कि इस वर्ष के अन्त में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के नतीजों के बाद यू.पी. की राजनीति में भारी परिवर्तन हो सकता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 सितम्बर। लोकसभा चुनावों के बाद से ही उत्तर प्रदेश की राजनीति और राज्य व्यवस्था में पहले जैसी नहीं रही हैं। सत्तारूढ़ भाजपा को देश के सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मैदान में गंभीर झटका लगा, जब वह पिछले चुनाव के मुकाबले 30 सीटें हारी। पार्टी देश भर में जितनी सीटें हारी उसकी आधी अकेले यू.पी. में थीं। इस हार ने नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी पारी में अपने तुनक मिजाज सहयोगियों पर अधिक निर्भर बना दिया। देश में सबसे अधिक सीटों वाले राज्य में भाजपा की प्रतिद्वंदी अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने 80 में से 37 सीटें जीतीं, जो गत चुनाव से 32 अधिक थी।

इस नये राजनीतिक गणित का दोनों तरफ के नेताओं के महत्व पर प्रभाव पड़ना सुनिश्चित था तथा ऐसा हुआ भी।

योगी आदित्यनाथ, जिनका मुख्यमंत्री के रूप में राज्य में पार्टी तथा प्रशासन पर पूरा नियंत्रण था की पकड़ कुछ ढीली होती नज़र आ रही है। उन्होंने तथा उनके समर्थकों ने चुनाव परिणामों के दोष से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया, पर उनकी दलील पर कम ही लोगों ने विश्वास किया।

आदित्यनाथ के समर्थकों ने राष्ट्रीय पार्टी को चुनाव अभियान के बारे में निर्णय लेते समय उन्हें लूप से बाहर रखने का आरोप लगाया। वहीं उनके मंत्री और विधायक उन्हें दोष देते हैं, सरकारी नीति में उनकी पूछ नहीं होने के लिये। पार्टी कार्यकर्ता निवर्तमान लोकसभा सांसदों से नाराज़ थे क्योंकि

(शेष पृष्ठ 3 पर)

लोक अदालत में 29.78 लाख मामलों का निस्तारण

जयपुर, 28 सितंबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से वर्ष 2024 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शनिवार को किया गया। राजस्थान हाईकोर्ट सहित प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में विशेष बेंच गठित कर आपसी सहमति से मुकदमों का निस्तारण किया गया। राजस्थान

- राजस्थान हाई कोर्ट और अधिनस्थ अदालतों में 514 बैंच का गठन कर शनिवार को 1162 अरब रूपये के अवॉर्ड भी जारी किये।

हाईकोर्ट और अधीनस्थ अदालतों में कुल 514 बेंच का गठन कर 29.78 लाख मुकदमों का निस्तारण किया गया। इनमें 5.51 लाख लंबित प्रकरण भी शामिल हैं। इसके अलावा 11.62 अरब रुपये के अवॉर्ड भी जारी किए गए।

जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने लोक अदालत का विधिवत् शुभारंभ किया। जस्टिस ढंड ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से अदालत में आए बिना ही मुकदमे का अंतिम निस्तारण हो जाता

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कर्नाटक के मु.मंत्री अति प्रसन्न हैं वित्त मंत्री सीतारमन के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज होने से

निर्मला सीमारमन के खिलाफ ''इलैक्टोरल बॉण्ड'' प्रकरण में उद्योगपतियों से डरा-धमका कर पैसे इकट्ठा करने का आरोप लगाते हुए एफ.आई.आर. दर्ज हुई है

- अब तक कर्नाटक के मु.मंत्री व कांग्रेस पार्टी रक्षात्मक मुद्रा में आए हुए थे, सी.बी.आई. को, मु.मंत्री की पत्नी को किए गए ''भूमि आवंटन'' के मामले की जाँच की इजाज़त नहीं देकर।
- तथा भाजपा बार-बार नैतिकता के आधार, मु.मंत्री से इस्तीफा मांग रही थी, जब तक पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जाँच न हो जाये।
- अब सीमारमन के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज होने पर कांग्रेस वित्त मंत्री सीतारमन आदि से केन्द्रीय मंत्रिमण्डल से इस्तीफा मांग रही है, जब तक एफ.आई.आर. का निस्तारण नहीं होता।
- एफ.आई.आर. बनाम एफ.आई.आर. की राजनीति को जनता भारी रूचि से देख रही है।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 सितम्बर। इलैक्टोरल बॉन्ड का मुद्दा फिलहाल तो खत्म होने वाला नहीं लगता है। केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार की परेशानी बढ़ाते हुए बैंगलोर की एक निचली अदालत ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के खिलाफ कथित रूप से इलैक्टोरल बॉण्ड के जरिए वसूली के लिए मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। ज्ञातव्य है कि इलैक्टोरल बॉन्ड अब खत्म हो गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष फरवरी में इलैक्टोरल बॉण्ड व्यवस्था को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को ऑर्डर दिया था कि बॉण्ड किसने खरीदे और किस को दिए गए यह सारी जानकारी चुनाव आयोग के दे और आयोग आम जनता के लिए इसे अपनी वैबसाइट पर प्रकाशित करे। बाद में इलैक्टोरल बॉण्ड स्वीकार करने वालों के खिलाफ याचिका दायर की गई, हालांकि अभी सुप्रीम कोर्ट में कोई याचिका लम्बित नहीं है।

लेकिन केन्द्र सरकार के लिए यह मुद्दा भारी चिन्ता बनकर लौट आया है और एक एन.जी.ओ. जनाधिकार संघर्ष संगठन ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा तथा कर्नाटक भाजपा के नेता नलिन कुमार कातील और बी.वाय. विजयेन्द्र के खिलाफ सांसदों व विधायकों के मामले देखने वाली स्पेशल कोर्ट में याचिका दायर की है और वसूली का आरोप लगाया है। एन.जी.ओ. के आदर्श अय्यर ने केस दायर किया है। केस देखने के बाद बैंगलोर कोर्ट ने केस दर्ज करने की अनुमति दी और फिर स्थानीय पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

कोर्ट का यह आदेश इससे बेहतर समय पर नहीं आ सकता था। इस समय कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस पार्टी बुरी तरह से घिरे हुए है। जमीन घोटाले के एक मामले में हाई कोर्ट के आदेश पर सिद्धारमैया के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। इसके बाद भाजपा ने जोर शोर से मुहिम छेड़ दी है तथा उनका इस्तीफा मांग रही है। भाजपा का कहना है कि उनके खिलाफ जाँच चल रही है तो वे मुख्यमंत्री कैसे रह सकते हैं। जाँच में निर्दोष साबित होने के बाद वापस आ

(शेष पृष्ठ 3 पर)

फैमिली कोर्ट में कम आय बताई, पति पर परिवाद दायर होगा

जयपुर, 28 सितंबर। जयपुर मेट्रो-प्रथम की फैमिली कोर्ट-4 ने पत्नी व बेटी को भरण-पोषण राशि देने से जुड़े मामले में सेवानिवृत्त पति की ओर से अपने शपथ पत्र में कम आय बताने और

- कोर्ट ने भरण-पोषण की राशि बढ़ाई तथा शपथ पत्र में आय छिपाने का केस सी.जे.एम. के न्यायालय में दायर करने के निर्देश दिये।

तथ्य छिपाने को गंभीर माना है तथा कोर्ट के पेशकार को निर्देश दिया है कि वे पति के खिलाफ शपथ पत्र में तथ्यों को छिपाने सहित अन्य आरोप में जयपुर मेट्रो-प्रथम की सी.एम.एम. कोर्ट में परिवाद दायर करें।

कोर्ट के जज पवन कुमार ने आदेश में कहा, पति ने अपने शपथ पत्र में एफ.डी.आर. से मिल रही ब्याज की

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हाईकोर्ट में उत्पन्न हुई अजीबोगरीब स्थिति!

इन्कम टैक्स विभाग के अधिवक्ताओं ने एक ही मुद्दे पर दिए परस्पर विरोधी बयान

- अदालत ने परस्पर विरोधी बयानों को रद्द करते हुए कहा कि टैक्स मामलों में केन्द्र सरकार द्वारा 17 सितम्बर, 2024 को जारी सर्कुलर द्वारा तय की गई सीमा सभी लम्बित मामलों पर लागू होगी।
- केन्द्र सरकार ने 15 मार्च, 2024 को सर्कुलर जारी किया था जिसके तहत इन्कम टैक्स ट्रायब्यूनल्स में 60 लाख या उससे कम राशि के विवादों पर दायर अपीलों को, हाईकोर्ट में 2 करोड़ रु. या उससे कम राशि के मामलों को व सुप्रीम कोर्ट में 5 करोड़ रु. या उससे कम के मामलों को वापस ले लिया जाएगा।
- केन्द्र सरकार द्वारा जारी स्पष्ट नोटिफिकेशन के बावजूद कर विभाग के द्वारा उनके वकीलों को स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए और वह अदालत के समक्ष विरोधाभासी बयान दे रहे थे, एक तरफ वकील कह रहे थे जारी सर्कुलर सभी लंबित मामलों पर लागू है। वहीं विभाग के दूसरे वकील कह रहे थे कि इन मामलों पर कुछ अपवाद लागू होंगे, जिस वजह से सभी मामले वापस नहीं लिए जा सकते।

जयपुर, 28 सितम्बर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने टैक्स की लंबित अपीलों पर विभाग के दोरुखे बयानों को रद्द करते हुए कहा कि अदालत के समक्ष 2 करोड़ रु की राशि से कम टैक्स मूल्य के जितने भी मामले हैं, उन्हें खारिज कर रहे हैं। अदालत ने कहा कि केन्द्र सरकार का 17 सितम्बर, 2024 को टैक्स संबंधी लंबित मामलों की संख्या कम करने के लिए विस्तृत नियम कायदे स्थापित करता है। न्यायाधीश अवनीश जिंगम और न्यायाधीश प्रवीण भटनागर ने यह आदेश सुरेन्द्र मीणा व अन्य कई अपीलार्थी द्वारा दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में इन अपीलार्थियों की तरफ से मुख्य तौर पर अधिवक्ता सिद्धार्थ रांका पैरवी के लिए पेश हुए थे।

इस मामले में अपीलार्थी पर 55 लाख रुपए का कर दायित्व घोषित था, और इनकम टैक्स ट्रायब्यूनल्स ने विभाग के पक्ष में फैसला दिया था जिससे आहत होकर अपीलार्थी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी।

मामलों के तथ्यों के अनुसार केन्द्र सरकार ने गत यूनियन बजट में घोषणा करी थी कि टैक्स ट्रायब्यूनल्स, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चल रहे लंबित टैक्स सम्बंधी मुकदमों की संख्या घटाने के लिए वह इन मामलों में विभाग द्वारा मुकदमा दायर करने के लिए आर्थिक सीमा बढाएगी, ताकि छोटे या निराधार टैक्स विवादों पर मुकदमे दायर ना किए जाए। इसी संदर्भ में 15 मार्च, 2024 को वित्त मंत्रालय ने एक सर्कुलर जारी किया था जिसके तहत इनकम टैक्स ट्रायब्यूनल्स में 60 लाख या उससे कम राशि के विवादों पर दायर अपीलों को वापस ले लेगी। इस सरकूलर में हाईकोर्ट में लंबित ऐसे ही मामलों की सीमा 2 करोड़ तक बढ़ा दी गई और सुप्रीम कोर्ट में यह सीमा 5 करोड़ कर दी गई थी। परन्तु केन्द्र सरकार ने कुछ अपवाद अंकित किए थे, जिन पर यह आर्थिक सीमाएं लागू नहीं होती, जैसे राजस्व विभाग द्वारा 'ऑडिट एसैसमैंट' में चिन्हित किए गए मामले। हालांकि केन्द्र सरकार ने इस अपवाद को 17 सितम्बर, 2024 को जारी किए गए नए सर्कुलर में हटा दिया था।

केन्द्र सरकार ने इस संदर्भ में 24 सितम्बर, 2024 को पीआईबी के माध्यम से एक प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की थी, जिसके अनुसार टैक्स मामलों में वित्तीय सीमा बढ़ाने से अदालतों में चल रहे प्रत्यक्ष कर के 4300 लंबित मामले कम होंगे वहीं अप्रत्यक्ष कर के 1000 लंबित मामले कम होंगे।

केन्द्र सरकार का कहना था कि इस नियम परिवर्तन से अदालतों में टैक्स संबंधी मामलों की संख्या घटायी जा सकेगी, व्यवसायियों तथा आमजन के लिए व्यवसाय करने में आसानी हो और टैक्स संबंधी व्यवस्था को भी सरल किया जा सके।

केन्द्र सरकार द्वारा जारी स्पष्ट नोटिफिकेशन के बावजूद कर विभाग के द्वारा उनके वकीलों को स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए और वह अदालत के समक्ष दोहरे बयान दे रहे थे, एक तरफ वह अदालत के समक्ष मान रहे थे कि 15 मार्च, 2024, को जारी सर्कुलर सभी लंबित मामलों पर लागू हैं और इन पर लागू अपवाद भी हटा दिए गए हैं, वहीं विभाग के दूसरे वकील यह बयान दे रहे थे कि टैक्स संबंधी अपीलों में राजस्व विभाग द्वारा 'ऑडिट एसैसमैंट' में चिन्हित किए गए मामलों में राहत नहीं दी जा सकती है। वहीं सिद्धार्थ रांका की ओर से अदालत को कहा गया कि लघु कर विवाद को वापस लेने की नीति केन्द्र सरकार ने 2018 से अपनाई थी और 17 सितम्बर, 2024 को जारी किए गए सर्कुलर स्पष्ट रूप से बताते हैं कि कर विभाग से संबंधित राशियों की सीमा को संशोधित किया गया है और यह सभी लंबित मामलों पर लागू है।

अदालत ने कहा कि कर विभाग कि ओर से वकीलों का तर्क रद्द करते हुए

(शेष पृष्ठ 3 पर)

प्रतिबंध के बावजूद वी.डी.ओ. के तबादले पर रोक

जयपुर, 28 सितंबर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने राजकीय कर्मचारियों का तबादला करने पर लगे प्रतिबंध के बावजूद ग्राम विकास अधिकारी का तबादला करने पर

- सिविल सेवा अपील प्राधिकरण ने पंचायती राज आयुक्त को नोटिस जारी किया।

पंचायती राज आयुक्त को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अधिकरण ने तबादला आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। अधिकरण के अध्यक्ष विकास सीतारामजी भाले और सदस्य शुचि शर्मा ने यह आदेश मुकेश की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा और अधिवक्ता अंकित स्वामी ने बताया कि अपीलार्थी चूरू की ग्राम पंचायत झारिया में ग्राम विकास

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

घर का मोह कायरता का दूसरा नाम है। –अज्ञात

यजुर्विद तन्त्र व वन वृक्षायुर्वेद पर एक दृष्टि

यहाँ यजुर्विद तन्त्र नामक एक अनूठे आयुर्वेदिक ग्रंथ के लेखन पर चर्चा हो रही है। यह संहिता आहार, विहार, सद्वृत्त, स्वस्थवृत्त, रसायन, प्रसन्नताविज्ञान, प्रज्ञाविज्ञान, वन वृक्षायुर्वेद जैसे विषयों पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद के गूढ़ सिद्धांतों को सरल और जनसामान्य के लिए सुलभ बनाना है। इसमें दीर्घकालिक अनुभव और गहन अध्ययन को सम्मिलित किया गया है। ग्रंथ का उद्देश्य न केवल आयुर्वेद का प्रचार करना है, बल्कि उसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी उजागर करना है। इस ग्रंथ में आहार-विहार की विशेष महत्ता दी गई है, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। 2020 से इस ग्रंथ पर कार्य चल रहा है और प्रकाशन से पूर्व 1200 से अधिक विशेषज्ञों द्वारा इसका समीक्षा किया जा रहा है, जिससे यह आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर खरा उतरे। इसका एक प्रमुख आकर्षण–''याज्यात्विषा त्रिवेणी'' व्याख्या है, जो संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध होगी, जिससे पाठक आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपने जीवन में आसानी से अपना सकें।

यजुर्विद तन्त्र के वन वृक्षायुर्वेद अध्याय का एक उदाहरण देखते हैं। विपुलाश्रयंजीवसमूहवृत्तिं, विशालवृक्षाधरणींपोषयन्ति। तेषांपतन्नेषुपर्णेषुभूमिः, सम्पद्यतेधान्यमयीसतत्त्वा।। छायांफलान्याश्रितजीवदात्री, वृक्षासदाऽनेकप्रजातिसिद्धाः। संरक्षिताधातुमयीसुशक्तिः, तेसंततंभूमिसुखायवृत्ताः।। (वनवृक्षायुर्वेद, 2024)। इन मूल सूत्रों का तात्पर्य यह है कि विशाल वृक्ष अनेक जीव समूहों का जीवन आधार होते हैं और पृथ्वी पर मृदा को पोषण प्रदान करते हैं। जब उनकी पत्तियाँ गिरती हैं, धरती धान्य और पोषक तत्वों से समृद्ध हो जाती है। वे छाया और फल प्रदान करने वाले होते हैं और कई प्रजातियों का आधार होते हैं। उनका संरक्षण पोषक तत्वों से भरी शक्तियों से होता है, और वे सदैव पृथ्वी के सुख के लिए कार्यरत होते हैं। इन सूत्रों की त्रिभाषीय व्याख्या भी उदाहरण स्वरुप प्रस्तुत है।

याज्यात्विषा त्रिवेणी व्याख्या (संस्कृत): अत्र 'विपुलाश्रयं' इति शब्देनवृक्षाणांअत्यन्तंविस्तीर्णाश्रयकारणतत्त्वंसूच्यते। विशालवृक्षाः बहवःजीवाःयत्रसमुपवसन्ति, तेबहुप्राणिसमूहानांजीवनसंवर्धनंकुर्वन्ति। वृक्षाः न केवलंप्राणिनांशरणंददन्ति, अपितु भूमेः स्थितिंरक्षिन्त, तद्वत्धरणिंपोषयन्ति। विज्ञानातः ज्ञातंयत्वृक्षाः जलचक्रंसंतुलयन्ति, भूमेर्उर्वराशक्तिं च संवर्धयन्ति, यद्बलात्सर्वजीवेषुपोषणंसम्पद्यते। वृक्षाःभूमेः शारीरिक–आर्थिक पर्यावरणायमुख्यंसाधनंसन्ति।

वृक्षाणांपर्णानि यदा पतन्ति, तदा तेपर्णानिभूमौतात्त्विकसंवर्धनायपोषकशक्त्यासम्पद्यन्ते। भूमिःतेषांपतनेन धान्य–धान्ययुक्ताभवति। आधुनिक विज्ञानात्पत्रपतनंभूमिस्थितेर्पोषणचक्रः इति स्वीकृतम् अस्ति। पर्णपतनात्सृष्टेः पोषणक्रियायांकार्बनस्यसंचयनं च भवति, यत्भूमेः उर्वरता एवं सम्पोषणंकुर्वन्ति।

वृक्षाः न केवलंछायांफलानि च ददन्ति, अपितु अनेकप्राणिनांजीवनसाधकाः भवन्ति। छाया, फलानि च वृक्षाणांपरमंजीवनदायकंसाधनंभवन्ति, यत्रप्राणिनांआश्रयः च भवति। वृक्षाविविधप्रजातिषुजीवनंपोषयन्ति, तेषांस्थैर्यंरक्षिन्त। विज्ञानानुसारंवृक्षाः जैवविविधतेः रक्षणेअत्यन्तंमुख्यंकारकः भवन्ति।

वृक्षाः भूमेः धातुमयीशक्त्यासंरक्षिताः सन्ति। तेषांवृद्ध्यर्थंभूमेः धातवः पोषणंददन्ति। विज्ञानस्यदृष्ट्यावृक्षाणांवृत्तिः जैवरासायनिकचक्रेस्थिताः भवति, यत्तेषांजीवनचक्रंधरण्याः स्थैर्यायसहायकंभवति। वृक्षाः भूमिसुखायनिरंतरंकार्यशीलाः सन्ति, यथा पर्यावरणंसंतुलयन्ति।

वृक्षाणां जैव विविधतायाश्चसम्बन्धः आधुनिकपर्यावरणविज्ञानेअत्यन्तंमूलभूतः अस्ति। महावृक्षाः मूलजीवितप्रकाराणांसदृशः आचरन्ति, विविधप्रकाराणांवन्यप्राणिनांशरणंपोषणं च प्रददन्ति, तदनुगुणंआवासस्थलेस्थैर्यंसन्ततिं च धारणंकुर्वन्ति। पत्राणांपतनंततः पोषणचक्रस्यप्रवर्तनं, इदानीन्तनांविज्ञानानुसारंपत्रभस्मनिरासः एवं कार्बनिकपदार्थसमृद्धिः मृत्तिकायाः उर्वरता कार्बननिरोधनं च साधयतः। वृक्षाः जलचक्रंरक्षिन्तमृत्तिकानिरासं च वारयन्ति इति आधुनिकविज्ञानस्यदृढसमर्थनंप्राप्तम्। वृक्षाः जलसंरक्षणंवातावारिधारणं च कुर्वन्ति। भूमेः धातवः वृक्षवृद्धिंसहारयन्ति, तेषांकारणंजैवरासायनिकचक्रेस्थिता इति भवति, यत्पर्यावरणस्वास्थ्यस्यस्थैर्यंरक्षित। अत्रवृक्षाणांजैवविविधतायाश्चसम्बन्धः, जीववायुप्रदायित्वं, जैवविविधतारक्षणं, जीवनोपायानांदानं च विद्यमानंसेवाकार्यंभविष्यति, अयमेवआधुनिकपर्यावरणविज्ञानस्यएकः मुख्यःशोधविषयः अस्ति।

याज्यात्विषा त्रिवेणी व्याख्या (हिंदी): यहाँ 'विपुलाश्रय' का तात्पर्य है कि वृक्ष अत्यधिक विस्तारित रूप से जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। विशाल वृक्ष अनेक प्राणियों के समूह का पोषण करते हैं। ये वृक्ष न केवल जीवों को शरण देते हैं, बल्कि धरती में मिट्टी की स्थिति को स्थिर करते हुए उसे पोषित भी करते हैं। आधुनिक विज्ञान के अनुसार, वृक्ष जलचक्र को संतुलित करते हैं और मृदा की उर्वरक क्षमता को बढ़ाते हैं, जिससे समस्त जीवों का पोषण संभव होता है। वृक्ष धरती के पर्यावरणीय और आर्थिक स्वास्थ्य का प्रमुख स्त्रोत होते हैं।

जब वृक्षों के पत्ते गिरते हैं, तो वे मिट्टी में मिलकर उसे पोषक तत्व प्रदान करते हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से धरती धान्ययुक्त और समृद्ध हो जाती है। आधुनिक विज्ञान इस तथ्य की पुष्टि करता है कि पत्तों का गिरना मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। पत्तियों के अपघटन से मिट्टी में पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे मृदा की उर्वरता और पोषण चक्र में सुधार होता है।

जब वृक्षों के पत्ते गिरते हैं, तो वे मिट्टी में मिलकर उसे पोषक तत्व प्रदान करते हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से धरती धान्ययुक्त और समृद्ध हो जाती है। आधुनिक विज्ञान इस तथ्य की पुष्टि करता है कि पत्तों का गिरना मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। पत्तियों के अपघटन से मिट्टी में पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे मृदा की उर्वरता और पोषण चक्र में सुधार होता है।

वृक्ष न केवल छाया और फल प्रदान करते हैं, बल्कि वे अनेक जीवों के जीवन का आधार भी होते हैं। वृक्षों की छाया और फल जीवों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होते हैं, जो उनके अस्तित्व को बनाए रखते हैं। वृक्ष विभिन्न प्रजातियों के लिए स्थिरता और जीवन का स्त्रोत होते हैं। आधुनिक विज्ञान भी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि वृक्ष जैव विविधता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वृक्षों को धरती की धातुमयी शक्तियाँ पोषित करती हैं, जिससे उनकी वृद्धि होती है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार, वृक्षों का जीवन जैव-रासायनिक चक्रों पर निर्भर करता है, जो धरती में पारिस्थितिक तंत्रों की स्थिरता और स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होते हैं। वृक्ष निरंतर धरती की समृद्धि और संतुलन को बनाए रखने के लिए कार्यरत रहते हैं।

वृक्षों और जैवविविधता के बीच का संबंध आधुनिक पारिस्थितिकी विज्ञान में अत्यंत महत्वपूर्ण है। बड़े वृक्ष प्रमुख प्रजातियों के रूप में कार्य करते हैं, जो विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों को आश्रय और पोषण प्रदान करते हैं, जिससे आवास की स्थिरता और संतुलन बना रहता है। पत्तियों का गिरना और उसके बाद पोषक तत्वों का चक्रण आधुनिक विज्ञान में पत्र अपघटन और जैविक पदार्थ संवर्धन की अवधारणा है, जो मृदा उर्वरता और कार्बन अवशोषण के लिए महत्वपूर्ण है। वृक्ष जलचक्र को बनाए रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं, इस तथ्य को आधुनिक विज्ञान से अच्छी तरह से समर्थन प्राप्त है। वृक्ष जल संरक्षण और जलवायु नियमन में सहायता करते हैं। भूमि से मिलने वाले खनिज जो वृक्षों की वृद्धि में सहायक होते हैं, जैवभौतिक चक्रों का हिस्सा होते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं। वृक्षों और पारिस्थितिकी तंत्र की सेवाओं–जैसे ऑक्सीजन प्रदान करना, जैव विविधता की रक्षा करना और आजीविका प्रदान करना–के बीच का संबंध आधुनिक पर्यावरण विज्ञान में एक महत्वपूर्ण शोध का क्षेत्र है।

Yajya Tvisa Triveni Vyakhya (English): Here, "vast shelters" indicates that trees provide expansive refuge to many living organisms. Large trees are the nourishers of various species of life. These trees not only give shelter but also sustain the stability and fertility of the earth. According to modern science, trees play a critical role in balancing the water cycle and enhancing soil fertility, which in turn supports the nourishment of all living beings. Trees are essential for both environmental and economic health.

As the leaves of trees fall, they mix with the soil, providing vital nutrients. This process enriches the earth, making it fertile and productive. Modern science supports this concept, acknowledging that the decomposition of leaves is essential for enhancing soil fertility. The breakdown of organic matter replenishes the soil's nutrient content and helps in carbon sequestration, ensuring healthy and productive soil.

Trees not only offer shade and fruits but also act as life-support systems for many species. Their shade and fruits sustain life and offer shelter to a variety of organisms. Trees are essential for stabilizing life across species and play a vital role in maintaining biodiversity. Modern science highlights the importance of trees in protecting biodiversity and supporting ecosystems.

Trees derive their nourishment from the minerals present in the earth, which strengthens and supports their growth. According to scientific understanding, trees are sustained by the biogeochemical cycles that maintain ecosystem health. Trees continuously work towards the well-being and balance of the earth, ensuring environmental stability. They play a crucial role in regulating the ecosystem and ensuring the health of the planet.

The relationship between trees and biodiversity is fundamental in contemporary ecological science. Large trees act as keystone species, providing shelter and sustenance for a wide array of wildlife, contributing to habitat stability. The falling leaves and the subsequent nutrient cycling are modern concepts of litter decomposition and organic matter enrichment, which are critical for soil fertility and carbon sequestration. The idea that trees help maintain the hydrological cycle and prevent soil erosion is now well-supported by science, as trees help in water retention and climate regulation. The minerals from the earth that support tree growth arepart of the biogeochemical cycles that maintain ecosystem health. Additionally, the connection between trees and ecosystem services-such as providing oxygen, maintaining biodiversity, and offering livelihoods-forms a key area of research in current environmental science.

यह आशा की जाती है कि यह प्रयास न केवल आयुर्वेद के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि इसे एक नई दिशा और दृष्टिकोण भी प्रदान करेगा। आज का यह आलेख एक उदाहरण के रूप में आपके सम्मुख प्रस्तुत किया गया है। यजुर्विद तन्त्र और वन वृक्षायुर्वेद पर अतिथि सम्पादकीय की यह श्रृंखला आगे निरंतर चलती रहेगी। आशा है कि इससे तीनों भाषाओं के पाठक लाभान्वित होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

केरू गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध क्लिनिक सीज किया

मौके पर टीम को अवैध रूप से दवाईयां, ड्रिप व बेड लगा होना पाया गया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में झोलाछाप डॉक्टर बैखोफ होकर लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं। झोलाछाप प्रैक्टिशनर अवैध रूप से क्लिनिक चलाकर लोगों का इलाज कर रहे हैं। हालांकि ऐसे लोगों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से कार्रवाई भी की जा रही है। ऐसे ही झोलाछाप के खिलाफ शनिवार को कार्रवाई की गई।

उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जोधपुर ग्रामीण डॉक्टर प्रीतम सिंह सांखला ने बताया कि शनिवार को शिकायत मिली कि जोधपुर ग्रामीण के केरू में अवैध रूप से क्लिनिक संचालित कर मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जिस पर डिप्टी सीएमएचओ जोधपुर ग्रामीण डॉ. प्रीतम सांखला ने मय टीम क्लिनिक पर दबीश दी। मौके पर अवैध रूप से दवाईयां, ड्रिप व बेड लगा होना पाया गया। संचालक से मेडिकल संबंधित डिग्री मांगने पर किसी प्रकार का कोई जवाब नहीं दे पाया। उसके पास डिग्री व डिप्लोमा नहीं पाया गया। इसके पश्चात नियमानुसार उक्त क्लिनिक को सीजकर संबंधित राजीव गांधी थाने में संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट में पंजीकरण बिना संचालित अस्पताल व क्लिनिक पर कार्रवाई होगी।

■ संचालक से मेडिकल संबंधित डिग्री मांगने पर कोई जवाब नहीं मिला

डिप्टी सीएमएचओ डॉक्टर सांखला ने बताया कि जोधपुर ग्रामीण सीएमएचओ कार्यालय द्वारा जिला स्तरीय विशेष टीम गठित कर जिले में संचालित अस्पताल एवं क्लिनिक जो कि मेडिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट में पंजीकृत नहीं है तथा अवैध रूप से चलाए जा रहे हैं, क्लिनिक व झोलाछाप प्रैक्टिशनर आदि पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथी ही उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आप स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना उपचार करवाएं, ताकि बेहतर और प्रमाणित चिकित्सा सेवाएं मिल सके।

योग इन्स्ट्रक्टर पद पर कार्यरत अभ्यर्थियों को बोनस अंक देने की मांग खारिज

आयुष कंपाउंडर/नर्स नियमित भर्ती-2023 का मामला, योग इन्स्ट्रक्टर ने बोनस अंक की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आयुष कंपाउंडर/नर्स नियमित भर्ती–2023 के केस में योगा इंस्ट्रेक्टर के पद पर कार्यरत अभ्यर्थियों को बोनस देने की मांग को खारिज कर दिया है। योगा इंस्ट्रेक्टर्स ने बोनस अंक की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

इस याचिका पर हाईकोर्ट जस्टिस फरजंद अली की कोर्ट ने गत बीस सितंबर को दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। उसके बाद हाईकोर्ट ने इस केस में रिपोर्टेबल जजमेंट सुनाते हुए याचिकाकर्ताओं की मांग को अस्वीकार कर दिया। यह भर्ती एक हजार से ज्यादा पदों से जुड़ी है।

केस में राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाअधिवक्ता नरेंद्र राजपुरोहित ने बताया कि योगा इंस्ट्रेक्टर प्रतिदिन महज एक घंटे के लिए कार्य करने लिए स्वैच्छिक सेवा पर कार्यरत हैं। उनका कार्य आयुष नर्सिंग के समरूप नहीं है।

■ आदेश के बाद साल 2023 से नियुक्ति का इंतजार कर रहे आयुष नर्सिंग अभ्यर्थियों को राहत मिली

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी एक आदेश कोर्ट के समक्ष पेश किया। उसमें यह निर्धारित किया गया था कि जिसने भी उक्त विभाग के अंतर्गत कोविड काल में कार्य किया है उन्हें बोनस अंक दिए जाए। इसके खिलाफ पैरवी करते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय के अधिवक्ता सुनील पुरोहित ने कोर्ट को बताया कि आयुर्वेद विभाग और चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग दोनों अलग–अलग हैं। ऐसे मे यह आदेश आयुष विभाग पर प्रभावी नहीं होता। कोर्ट ने आयुर्वेद विश्वविद्यालय के अधिवक्ता सुनील पुरोहित और अतिरिक्त महाधिवक्ता नरेंद्र राजपुरोहित के तर्कों से सहमत होते हुए याचिकाकर्ताओं को बोनस देने से इनकार कर दिया। यह आदेश आने के बाद साल 2023 से नियुक्ति का इंतजार कर रहे आयुष नर्सिंग अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिल गई है। इससे उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है।

राज्यपाल ने डॉ. दीपक जोशी की पुस्तक ''अपना जालोर'' का विमोचन किया

जालोर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने राजभवन जयपुर में डॉ. दीपक जोशी की पुस्तक ''अपना जालोर'' का विमोचन किया। राज्यपाल ने कहा कि, यह पुस्तक केवल जालोर के इतिहास को नहीं, बल्कि वहां की सांस्कृतिक विविधता और अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य को भी उजागर करती है। उन्होंने डॉ. दीपक जोशी के प्रयासों की सराहना की, यह कहते हुए कि ऐसे कार्य जालोर के विकास और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

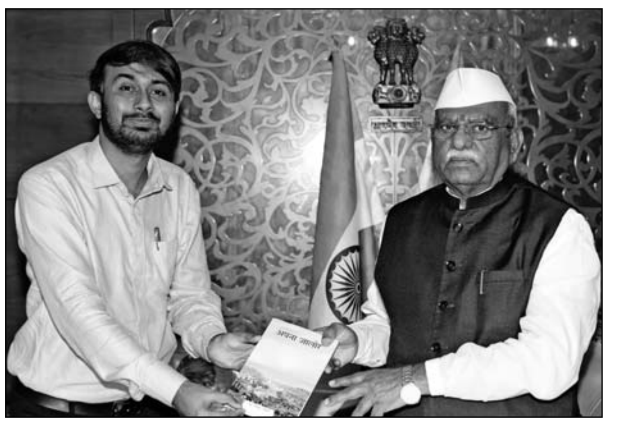

''अपना जालोर'' पुस्तक का विमोचन राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जयपुर राजभवन में किया।

''अपना जालोर'' पुस्तक राजस्थान के पश्चिमी जिले जालोर के सांस्कृतिक इतिहास और वहां के प्रेरणादायक व्यक्तियों की जीवनी पर आधारित है। जालोर, जो अपनी ऐतिहासिक धरोहर और विविध सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता है, ने भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। पुस्तक में जालोर की भूगर्भिक संरचना, जलवायु, मिट्टियाँ, कृषि, नहरें, बांध, पशुपालन, वन्यजीव, इतिहास और संस्कृति का विशेष उल्लेख किया गया है, जो पाठकों को जालोर की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराती है। पुस्तक में ऐतिहासिक व्यक्तित्वों का गहन विश्लेषण किया गया है। इसमें ऋषिराज जाबाली, महाराजा कान्हडदेव, महाराजा वीरमदेव, अदभुत वीरांगना हीरादे, ब्रह्मगुप्त और कवि माघ जैसे महान व्यक्तित्वों का जीवन परिचय शामिल है। इन व्यक्तियों ने ना केवल जालोर बल्कि समग्र भारतीय समाज में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। विशेष रूप से ऋषिराज जाबाली को भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जिन्होंने धर्म और ज्ञान के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया।

इसके अलावा, पुस्तक में जालोर के समृद्ध इतिहास के प्रतीक अन्य व्यक्तित्वों जैसे निम्बाराम देवासी और भोलाराम देवासी का भी उल्लेख किया गया है, जो भारतीय राजस्व सेवा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मदनराज बोहरा, जिन्होंने जालोर में ग्रेनाइट के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, का भी उल्लेख है। ये सभी व्यक्ति जालोर के बच्चों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं, क्योंकि वे अपने क्षेत्रों में उच्च पदों पर आसीन हैं। इस पुस्तक में जालोर के गौरवशाली दर्शनीय स्थलों का भी उल्लेख किया गया है। जैसे जालोर का किला, जो अपनी वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है; तोपखाना, जहां कभी युद्ध सामग्री संग्रहीत की जाती थी, सिरे मंदिर और सुंधा माता मंदिर, जो धार्मिक आस्था के केंद्र हैं। भीनमाल का वराह श्याम मंदिर और क्षेमकरी माताजी मंदिर भी जालोर की सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं, जिन्हें पुस्तक में विस्तार से वर्णित किया गया है। डॉ. दीपक जोशी ने पुस्तक के बारे में बताते हुए कहा, कि इस पुस्तक को बनाने में मुझे लगभग 2 वर्ष की मेहनत लगी है। मेरा उद्देश्य जालोर की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना और उसे अगली पीढ़ी के सामने लाना है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक जालोर के इतिहास में एक स्वर्णिम पृष्ठ साबित होगी, जो आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ने में मदद करेगी।

■ यह पुस्तक केवल जालोर के इतिहास को नहीं, बल्कि वहां की सांस्कृतिक विविधता और अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य को भी उजागर करती है : राज्यपाल बागड़े

अपना जालोर पुस्तक के लिए उदयपुर राजपरिवार के पूर्व सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, पूर्व कलेक्टर एवं वर्तमान जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी, और पुलिस उपमहानिरीक्षक विकास शर्मा जैसे कई प्रमुख हस्तियों ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की है। इन्होंने डॉ. जोशी के इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। डॉ. दीपक जोशी मूलतः जालोर के धानोल गांव के निवासी है वर्तमान में उदयपुर में चिकित्सक हैं।

बंदर को निगल गया 10 फीट लंबा अजगर

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा क्षेत्र के रामपुर से झाखरी रोड पर एक 10 फीट लंबा अजगर बंदर को निगल गया। इसके बाद अजगर झाड़ियों में छिपा रहा। लोगों ने बंदर को निगलते देख वनकर्मियों को बताया।

वनकर्मी ने पहले अजगर का रेस्क्यू किया। फिर अजगर ने मरे हुए बंदर को वापस उगल दिया। सागवाड़ा वन क्षेत्र में झांखरी से रामपुर रोड पर एक पुलिया के पास लोगों ने एक लंबे अजगर को देखा। झाड़ियों और पानी के पास अजगर एक बंदर को निगल रहा था। अजगर के मुंह में बंदर फंसा था। ये देखकर लोग चौंक गए। इसके बाद लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। लोगों ने अजगर के मुंह से बंदर को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन अजगर पानी में उतर गया। देखते ही देखते अजगर पूरे बंदर को निगल गया। सूचना पर पाडवा से वनकर्मी शैलेश सिंह राव, पर्यावरण प्रेमी प्रणम्य सोनी, समर सोनी, उपसरपंच अजीतसिंह राव, नारायण सिंह, कुलदीप सिंह, संजय सिंह मौके पर पहुंचे। वनकर्मियों ने पानी से अजगर को रेस्क्यू किया। पुलिया के ऊपर अजगर को रखते ही अजगर ने मुंह से मरे हुए बंदर को उगल दिया। इसके बाद अजगर को जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

■ लोगों ने अजगर को बंदर को निगलते देख वनकर्मियों को बताया, वनकर्मी ने पहले अजगर को रेस्क्यू किया, वहीं अजगर ने मरे बंदर को उगल दिया

राशिफल रविवार 29 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, मघा नक्षत्र सोमवार प्रातः 6:19 तक, साध्य योग रात्रि 12:37 तक, तैतिल करण सायं 4:27 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–वृष, शुक्र–तुला, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से सोमवार प्रातः 6:19 तक है। आज बारस और मघा का श्राद्ध और सन्यासियों का श्राद्ध है। आज गजधामा योग प्रातः 6:18 से सूर्यास्त तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:51 से 9:20 तक, लाभ–अमृत 9:20 से 12:17 तक, शुभ 1:46 से 3:15 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:22, सूर्यास्त 6:12

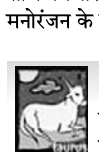

मेष

आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

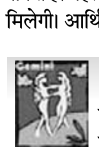

वृष

घर–परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक–सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

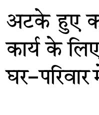

कर्क

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संपर्क बनने लगेंगे।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

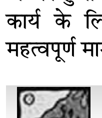

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य के लिए बाहर जा सकते हैं। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

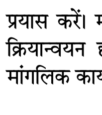

वृश्चिक

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

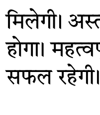

मीन

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

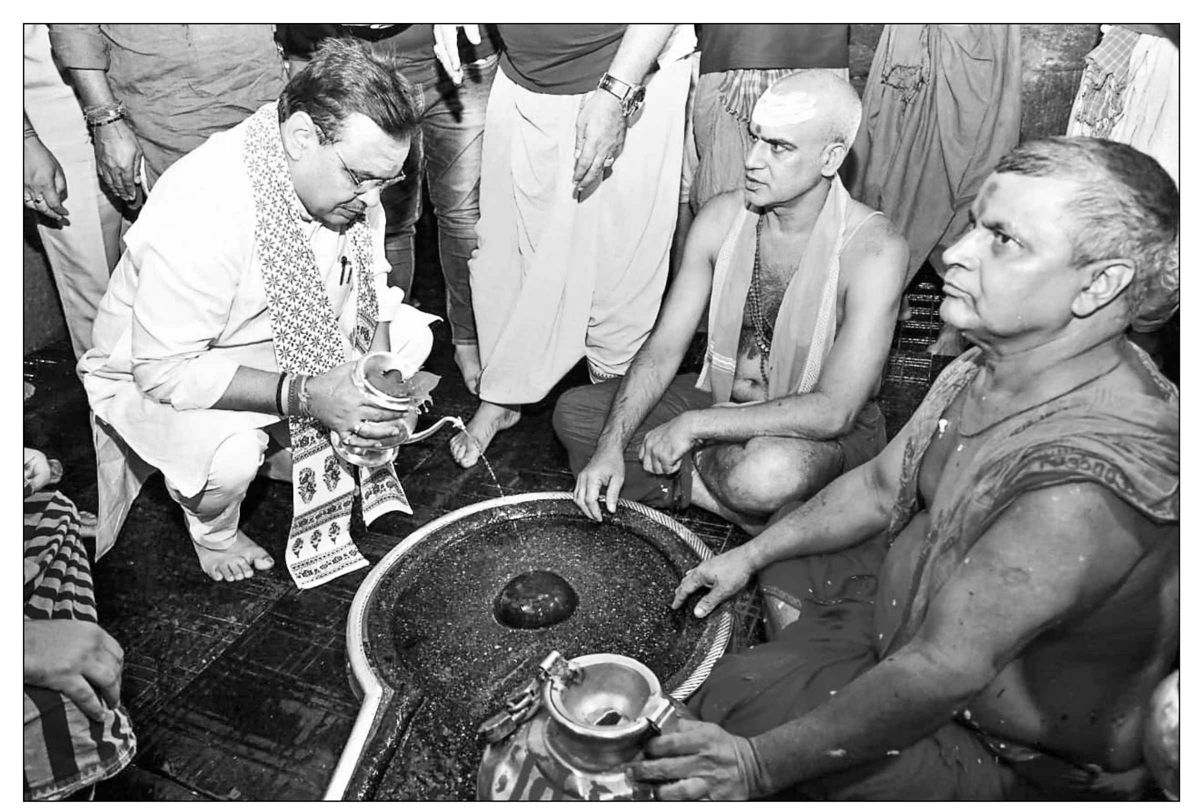

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी झारखंड यात्रा के दौरान देवघर में वैद्यनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की।

सत्ता के लिये आदिवासी समुदाय को जाति आधार पर भड़काने की कोशिश

मुख्यमंत्री भजनलाल ने झारखंड सरकार पर जनता का पैसा भ्रष्टाचार में बहाने का आरोप लगाया

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देवघर के प्रसिद्ध वैद्यनाथ मंदिर में विधिवत् पूजा-अर्चना की तथा परिवर्तन यात्रा को संबोधित किया।
- रांची में प्रवासी राजस्थानियों को मुख्यमंत्री ने राजस्थान में निवेश के लिये आमंत्रित किया।

देवघर/जयपुर, 28 सितम्बर। शनिवार को देवघर, झारखंड, में परिवर्तन यात्रा जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के गठबंधन वाली सरकार ने भ्रष्टाचार करते हुए जनता के पैसे को पानी की तरह बहाया है। इस सरकार ने अपने घोषणापत्र में किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि अब चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस और इसके सहयोगी दल यहां के आदिवासी समुदाय को जातिगत आधार पर भड़काने के लिए रणनीति बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने जातिवाद, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति की है, जबकि भारतीय जनता पार्टी अपने सामान्य कार्यकर्ता को भी आगे बढ़ने का मौका देती है। वर्ष 2014 के बाद देश में आया सुखद परिवर्तन हम सब ने देखा है। पहले देश आतंकवाद और नक्सलवाद से जूझ रहा था। मगर आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद का सफाया हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के किसान, मजदूर और आम आदमी की चिंता करते हैं। इसीलिए उन्होंने गरीब कल्याण की अनेक योजनाएं चलाई हैं। किसानों को हर वर्ष किसान सम्मान निधि दी जा रही है। गांवों को सड़कों से जोड़ दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के आदिवासी समाज ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भावी पीढ़ियां सुख-चैन से रह सकें, इसके लिए उन्होंने अपना जीवन अर्पित कर दिया। शर्मा ने कहा कि झारखंड की जनता 5 साल के लिए सरकार चुनने जा रही है। अपने सुखद भविष्य के लिए आपको सोच-समझ कर वोट देना है। कौनसी पार्टी आपका भला कर सकती है, इसका विचार करके ही आप अपनी सरकार चुनें।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देवघर में वैद्यनाथ मन्दिर में दर्शन कर विधिवत् पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली कामना की। उन्होंने कहा कि देवघर देवताओं का घर है, इसलिए यह भूमि बहुत पवित्र है और यहां दर्शन करना सौभाग्य की बात है।

प्रवासी राजस्थानी (एन.आर.आर.) और मारवाड़ी समुदाय को राजस्थान से जोड़ने के अभियान के तहत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज झारखंड की राजधानी रांची में 'राइजिंग राजस्थान' प्रवासी और औद्योगिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। यह बैठक जयपुर में माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 9, 10, 11 दिसंबर को होने वाले आगामी 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के मद्देनजर हुई है।

बैठक में मुख्यमंत्री ने झारखंड में रहने वाले प्रवासी राजस्थानी और मारवाड़ी समुदाय के नेताओं और व्यापारिक जगत के लोगों से मुलाकात की और उन्हें राजस्थान में कारोबार करने व अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री के अलावा, इस बैठक में केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू तथा झारखंड के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

प्रवासी राजस्थानी समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, मारवाड़ी और अनिवासी राजस्थानी (एन.आर.आर.) समुदाय के सम्मानित सदस्य आगामी 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को सफल बनाने की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मैं इस समुदाय लोगों और उद्यिमयों से आग्रह करता हूं कि वे अपने मूल राज्य राजस्थान के साथ फिर से जुड़ें और प्रदेश की समृद्धि एवं आर्थिक पुनरुत्थान की यात्रा का हिस्सा बनें।

इस अवसर पर केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा, मुझे मारवाड़ी और एन.आर.आर. समुदाय के प्रति राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों को देखकर गर्व और खुशी हो रही है। इन्वेस्टमेंट समिट से पहले राजस्थान सरकार द्वारा की गई गहन तैयारियों और जमीनी कार्य से पैदा हुई चर्चा दूर-दूर तक फैल रही है। इससे पहले, झारखंड पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों का भव्य स्वागत झारखंड के प्रवासी राजस्थानी और मारवाड़ी समुदाय के नेताओं ने रांची हवाई अड्डे पर किया।

चुनाव आयुक्त ने 26 नवम्बर तक महाराष्ट्र चुनाव के संकेत दिये

टीम ने दौरे किए व अधिकारियों के साथ बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रैंस में चुनाव आयुक्त ने यह कहा

- राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने दीवाली जैसे त्योहारों को ध्यान में रखते हुए चुनाव की तिथि तय करने की मांग की।

मुंबई, 28 सितंबर। महाराष्ट्र में 26 नवंबर से पहले विधानसभा चुनाव करा लिए जाएंगे। इसका ऐलान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने किया है। विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोग की टीम महाराष्ट्र के दौरे पर है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव 26 नवंबर तक करा लिए जाएंगे।

केन्द्रीय चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि, चुनाव आयोग की टीम तीन दिवसीय दौरे पर थी। इस दौरान आयोग ने विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अधिकारियों के साथ कई बैठकें की और तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी मुलकात हुई और उन्होंने हमें दिवाली जैसे त्योहारों को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की घोषणा करने को कहा। राजनीतिक दलों ने अधिकारियों के ट्रांसफर में पारदर्शिता की मांग के साथ ही, 17 सी उपलब्ध कराए जाने की मांग की।17 सी की कॉपी वोट प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद पोलिंग एजेंट को दी जाएगी। सोशल मीडिया पर भी नजर रखनी होगी कि कोई गलत और भ्रामक खबरें न फैलाए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि महाराष्ट्र में कुल वोटर्स 9.59 करोड़ हैं। कुल पोलिंग बूथों की संख्या 1,00,186 (एक लाख 186) है। शहरी इलाकों में 42,585 बूथ हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में 57,601 बूथ हैं। उन्होंने कहा कि, पोलिंग बूथ पर सभी मूलभूत सुविधा मुहैय्या कराई जाएंगी। वरिष्ठ नागरिक, जो पोलिंग बूथ पर नहीं आ सकते, उनको घर से वोट देने का इंतजाम किया जाएगा। अगर हमें चॉपर से भी जाने की जरूरत पड़ेगी तो हम जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि हम 90 मिनट में समस्या को सुलझाएंगे

हाईकोर्ट में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि देश भर में एक ही कानून लागू होगा और विभाग अलग-अलग मामलों पर अलग-अलग मापदण्ड नहीं लगा सकते, इसलिए जो सीमा केन्द्र सरकार के सर्कुलर द्वारा तय कि गई है वह सीमा सभी पर लागू होगी। अदालत ने कर विभाग के अलग-अलग वकीलों द्वारा दिए गए अलग-अलग बयानों से प्रभावित सभी लंबित मामलों पर अपने आदेश को लागू करने के आदेश दिए हैं ताकि स्थिती स्पष्ट रहे।

फैमिली कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रकम को छिपाया है और ऐसा इस आशय से किया, ताकि वह पत्नी को कम भरण-पोषण की राशि दे सके। ऐसे में अप्रार्थी के खिलाफ विधिक कार्रवाई किया जाना न्यायोचित है।

कोर्ट ने पति को निर्देश दिया है कि वह प्रार्थिया पत्नी को हर महीने 9000 रुपए व बेटी को 7000 रुपए यानि कुल16 हजार रुपए भरण-पोषण भत्ते की राशि दे। यह राशि परिवाद दायर करने की तारीख एक जुलाई 2021 से एक मुश्त दी जाएगी और उसके बाद हर महीने की10 तारीख को राशि का भुगतान किया जाए।

मामले से जुड़े अधिवक्ता डी.एस. शेखावत ने बताया कि प्रार्थिया की शादी 2008 में हुई थी। इसके बाद पति ने उसे सन् 2010 में घर से निकाल दिया। प्रार्थिया ने भरण-पोषण राशि देने के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर किया, जिस पर कोर्ट ने 18 अक्टूबर 2016 के आदेश से पति को उसे 9000 रुपए भरण-पोषण राशि देने का निर्देश दिया।

बाद में प्रार्थिया ने 2021 में इस राशि को बढ़वाने के लिए पुन: प्रार्थना पत्र दायर किया और खुद व बेटी के लिए हर महीने 40 हजार रुपए मांगे, लेकिन कोर्ट में पति ने शपथ पत्र में कम आय बताई, जबकि प्रार्थिया की ओर से उसकी ब्याज से मिलने वाली आय की जानकारी दी गई। पति के तथ्य छिपाने को कोर्ट ने गंभीर माना।

स्टालिन ने अपने बेटे को बनाया डिप्टी सी.एम.

तमिलनाडु, 28 सितंबर। तमिलनाडु कैबिनेट में बड़ा फेरबदल किया गया है। उदयनिधि स्टालिन को डिप्टी सीएम बनाया गया है।

राज्य के सीएम एमके स्टालिन ने वी सेंथिल बालाजी, डॉ गोवी चेझियान, आर राजेंद्रन और एस.एम. नासर को मंत्रिपरिषद में शामिल करने की सिफारिश की है। राज्यपाल ने सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। मनोनीत मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह 29 सितंबर को दोपहर 3.30 बजे राजभवन, चेन्नई में आयोजित किया जाएगा।

- तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंत्रिमंडल में भारी फेरबदल किया है। नये मंत्रियों को 29 सितम्बर 3:30 बजे राज भवन में शपथ दिलाई जाएगी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि को शनिवार को कैबिनेट में फेरबदल के बादउपमुख्यमंत्री बनाया गया। हाल ही में जमानत पर रिहा हुए डीएमके नेता सेंथिल बालाजी को भी फिर से मंत्री बनाया गया है।

'येचुरी वर्तमान राजनीति में भरोसेमंद मित्र थे'

राहुल गांधी ने श्रद्धांजलि सभा में सीताराम येचुरी को गठबंधन व कांग्रेस का सेतु बताया

- "यह येचुरी की खासियत थी कि खुद राजनीतिक सिस्टम में रहते हुए सबका भरोसा बनाकर अपने काम करते थे।"

नयी दिल्ली, 28 सितंबर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के दिवंगत नेता सीताराम येचुरी को याद करते हुए शनिवार को कहा कि वह वर्तमान राजनीति में, उनके ऐसे मित्र थे, जिन पर भरोसा किया जा सकता था।

गांधी ने आज यहां ताल कटोरा स्टेडियम में येचुरी को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा, येचुरी भरोसे के राजनीतिज्ञ थे जो समझौता नहीं कर सकते थे। इंडिया समूह की मजबूती के लिए येचुरी हमेशा पर्दे की पीछे से काम करते रहे और वे गठबंधन तथा कांग्रेस के बीच एक सेतु की तरह थे।" गांधी ने कहा,"मेरे लिए सीताराम येचुरी जी एक मित्र थे, जो खुद राजनीतिक सिस्टम में रहते हुए सबका भरोसा बनकर अपना काम करते थे। लोगों के लिए राजनीति के भीतर की हलचल देखना आसान नहीं होता है। भीतर से राजनीति अक्षम्य, कठोर और असुविधाजनक जगह है क्योंकि अक्सर यहीं से खराब चीजें सामने आती हैं। वे सबको प्रभावित करती हैं और इसी राजनीति में दुर्लभ तथा सर्वश्रेष्ठ फैसले भी होते हैं। मैंने अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने के पहले दिन से ही येचुरी को देखा था और मैंने उन्हें काफी ध्यान से देखा था। मुझे उनमें ऐसा व्यक्तित्व मिला, जिनमें लचीलापन था और वे दूसरों की बात सुनते थे।" येचुरी की राजनीति की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा,"एक तरह से वह कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के बीच एक सेतु थे। दो तरह के लोग होते हैं, जो सामने दिखते हैं और दूसरे वे होते हैं, जो आधार वर्क अदृश्य होकर करते हैं। अदृश्य और छिपे हुए लोग गठजोड़ को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैं कहूंगा कि येचुरी एक ऐसी शख्सियत थे जो सबको एक साथ बांधे हुए थे। उनमें लचीलापन था, वह लोगों की सुनते थे। उनमे क्रोध, आक्रामकता और अहंकार नहीं था और संवेदनशीलता से भरा यह व्यक्तित्व अन्य राजनेताओं के पास नहीं होता है।"

'मेरी दादी मृत्यु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। जम्मू-कश्मीर के लिये नीति-निर्माण यहां की जनता नहीं, बल्कि भाजपा करती है, ताकि वह भावनाओं को भड़का सके। उन्होंने कहा कि रिलायंस फुटकर स्टोर खोले जा रहे हैं और स्थानीय छोटे व्यवसाय को खत्म किया जा रहा है। प्रियंका ने कहा कि लेफ्टिनेंट गवर्नर जम्मू-कश्मीर से बाहर के अपने मित्रों की मदद कर रहे हैं, जबकि मोदी सरकार अडानी और अम्बानी की मदद कर रही है और स्थानीय लोग इस बात को लेकर चिन्तित हैं कि उनके पास कोई काम धंधा रहेगा या नहीं। प्रियंका ने कहा कि केवल कांग्रेस ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देगी। उन्होंने "दरबार" को श्रीनगर से जम्मू शिफ्ट करने की 150 वर्ष पुरानी परम्परा को पुनर्स्थापित करने का वादा किया।

गुजरात के द्वारका में भीषण रोड एक्सीडेंट, 7 मरे

द्वारका, 28 सितंबर। गुजरात के द्वारका में चार वाहनों के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, द्वारका से करीब छह किलोमीटर दूर हाईवे रोड पर बरडिया के पास एक निजी बस, दो कारों और एक बाइक के बीच भीषण टक्कर हो गई। एक्सीडेंट में जो लोग घायल हुए, उन्हें द्वारका सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस ने कहा कि शनिवार शाम द्वारका के पास एक बस के डिवाइडर से टकराने और दो कारों और एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारने से तीन बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना शाम करीब 7:45 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 51 पर हुई, जब बस द्वारका से सोमनाथ की ओर जा रही थी।

एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस के चालक ने सड़क पर बैठे मवेशियों से बचने की कोशिश की तो वह डिवाइडर से टकरा गई और विपरीत दिशा से आ रही दो कारों और एक मोटरसाइकिल से टकरा गई। द्वारका जिला कलेक्टर ने कहा, 14 से अधिक लोगों को चोटें आई हैं। रोड एक्सीडेंट की जानकारी मिलने पर राज्य मंत्री मुलुभाई बेरा और सांसद पूनमबेन माडम मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिसकर्मियों को घायलों की हर संभव मदद करने का निर्देश दिया।

हिजबुल्लाह चीफ की मौत पर दुखी हैं महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, 28 सितंबर। हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत पर जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने शोक जताया है। उन्होंने नसरल्लाह को शहीद बताया और कहा कि वे कल की अपनी सभी चुनावी रैलियां स्थगित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वे लैबनान और फिलिस्तीन के लोगों के साथ खड़ी हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, लैबनान और गाजा के शहीदों, खास तौर पर हसन नसरुल्लाह के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मैं कल के अपने अभियान रद्द कर रही हूँ। हम इस दुख और प्रतिरोध की घड़ी में फिलिस्तीन और लैबनान के लोगों के साथ खड़े हैं।

बलिया में लखनऊ-छपरा एक्सप्रैस पलटने की साजिश

- रेलवे ट्रैक पर रखे पत्थर से ट्रेन का सैफ्टी गार्ड टकराया। लोको पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला।

बलिया, 28 सितंबर। देश में ट्रेनों को पलटाने की साजिश के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा मामला बलिया से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, बलिया में शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक पर रखा पत्थर बिहार जा रही लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस ट्रेन के सेफ्टी गार्ड से टकरा गया। ये घटना बलिया के बकुल्हा स्टेशन और माझी पुल के बीच सुबह 10.40 बजे की है। गाड़ी नंबर 15054 लखनऊ छपरा एक्सप्रेस ट्रेन रेलवे ट्रैक से गुजर रही थी। माझी पुल से करीब 200 मीटर पहले ट्रेन के इंजन के कैटल गार्ड से ट्रैक पर रखा पत्थर टकरा गया।

लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को तत्काल रोका और रेलवे अफसरों को सूचना दी। बताया जा रहा है कि ट्रेन के इंजन के कैटल गार्ड से टकरा कर ट्रैक पर रखा पत्थर हट गया था। इसके बाद कोई गड़बड़ी न मिलने पर सेफ्टी सुनिश्चित कर लोको पायलेट ने गाड़ी को गन्तव्य की ओर रवाना किया। लोको पायलट की सूझबूझ से बड़ा रेल हादसा होने से टल गया।

सूचना के बाद रेलवे पुलिस और सिविल पुलिस के अफसर मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। पुलिस और रेलवे पुलिस मामले की गहन जांच मे जुटी हुई है। इस घटना में ट्रेन में सवार किसी भी यात्री को कोई क्षति नहीं पहुंची। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

इससे पहले यूपी, मध्य प्रदेश, पंजाब और गुजरात में कई ट्रेनों को पलटाने की कोशिश के मामले सामने आ चुके हैं। बठिंडा-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर नौ लोहे की छड़ें मिलीं थीं। वहीं, कानपुर में सुबह 5:50 बजे प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर 5 लीटर का खाली गैस सिलेंडर पाया गया था।

क्या उत्तर प्रदेश में योगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे उपलब्ध नहीं थे, और बाहरी लोगों को पार्टी में शामिल करते ही महत्वपूर्ण पद दे दिये गये। पार्टी के लोग स्थानीय नौकरशाही व पुलिस अधिकारियों से भी नाराज़ थे, कि वे उनको तवज्जो नहीं देते थे व उनकी शिकायतों की अनदेखी करते थे। पार्टी के ऊँची जाति के कार्यकर्ता को अन्य पिछड़े वर्ग और दलितों को दिया जा रहा अधिक प्रतिनिधित्व पसंद नहीं था, जबकि पिछड़े वर्गों व दलितों की मान्यता थी कि उसका प्रतिनिधित्व पर्याप्त से काफी कम है। कारवां के ताजा संस्करण में सुनील कश्यप ने यह बात स्पष्ट रूप से कही है।

अंदरूनी असंतोष शीघ्र ही सबके समने आ गया था जब आदित्यनाथ के दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने अपनी राय पर जोर देना शुरु किया और मुख्यमंत्री को कुछ अलोकप्रिय निर्णय वापस लेने पड़े।

कश्यप का विश्लेषण है कि इस सबके कारण "यह धारणा जोर पकड़ रही है कि उनका समय समाप्त हो रहा है और वे "उधार लिये समय" (बॉरोड टाइम) पर हैं। अब जब उत्तर प्रदेश इस वर्ष के अन्त में होने वाले उपचुनावों की तैयारी कर रहा हैं, राजनीतिक परिदृश्य में शीघ्र कुछ बड़े परिवर्तन हो सकते हैं। इस नये संसार में आदित्यनाथ का स्थान कहाँ होगा।

कर्नाटक के मु.मंत्री अति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकते हैं। इस समय कर्नाटक में दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के बीच एफ.आई.आर. बनाम एफ.आई.आर. की जंग छिड़ गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने एक पल गंवाए बिना भाजपा के प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेताओं पर हमला बोल दिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीमारमन, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इलैक्टोरल बॉण्ड के जरिए वसूली के आरोप में तीन महीने में रिपोर्ट आनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों के मामलों से डील करने वाली विशेष अदालत ने निर्मला सीतारमन के खिलाफ एफ.आई.आर. की अनुमति दी है। वो कौन है, वो केन्द्रीय मंत्री हैं और उनके खिलाफ भी एफ.आई.आर. है। ये लोग इलैक्टोरल बॉण्ड के जरिए एक्सटॉर्शन करने में लिप्त थे। उन पर एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। क्या वे उन्हें भी इस्तीफा देने को कहेंगे क्योंकि उन पर भी एफ.आई.आर. दर्ज हुई है।"

मुख्यमंत्री ने कहा, अब प्रिवैंशन ऑफ करप्शन एक्ट के भाग 17(ए) के तहत जाँच की जानी चाहिए और तीन माह में रिपोर्ट आनी चाहिए और इस आधार पर उन्होंने एफ.आई.आर. दर्ज की है तथा आगे जाँच हो रही है। मुख्यमंत्री के खिलाफ भी 17(ए) के तहत ही जाँच चल रही है। सिद्धारमैया ने कहा, क्या पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केन्द्रीय मंत्री एच.डी. कुमारास्वामी से इस्तीफा नहीं मांगेगे, क्योंकि उन पर भी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। मुख्यमंत्री ने बेहद आक्रामक अदांज में कहा "पहले कुमारास्वामी इस्तीफा दें क्या उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए, यहाँ तक कि प्रधानमंत्री मोदी को भी इलैक्टोरल बॉण्ड वसूली मामले में इस्तीफा देना चाहिए। निर्मला सीतारमन को भी इस्तीफा देना चाहिए। कुमारास्वामी तो जमानत पर हैं। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।"

मुम्बई युनिवर्सिटी के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ ही, रजिस्टर्ड स्नातकों के प्रतिनिधि होते हैं। इस समिति को विश्वविद्यालय का बजट पारित करने का अधिकार होता है। सम्भवत: नवम्बर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से कुछ ही समय पहले आये ये परिणाम आश्चर्यजचकित नहीं कर रहे, क्योंकि शिवसेना (यू.बी.टी.) नेता अनिल परब ने अभी जुलाई में हुये महाराष्ट्र विधान परिषद (एम.एल.सी.) में मुम्बई ग्रेजुएट्स चुनाव क्षेत्र से भी जीत हासिल की थी।

वरुण सरदेसाई, जो आदित्य के चचेरे भाई हैं, जैसे युवा सेना नेता "मोतीश्री" पर जश्न मनाते देखे जा सकते थे। इस विजयोत्सव में कुछ देर के लिये आदित्य ठाकरे में सम्मिलित रहे।

प्रतिबंध के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारी के पद पर कार्यरत है। स्थानीय सरपंच की शिकायत पर गत 12 सितंबर को उसका तबादला जिला परिषद, चूरू में कर उसे कार्यमुक्त कर दिया। याचिका में कहा गया कि प्रशासनिक सुधार विभाग ने 4 जनवरी, 2023 को एक आदेश जारी कर 15 जनवरी, 2023 से प्रदेश में राजकीय कर्मचारियों के तबादलों पर प्रतिबंध लगा दिया। वहीं, प्रतिबंध की अवधि में बहुत जरूरी होने पर मुख्यमंत्री कार्यालय से स्वीकृति लेकर कर्मचारी का तबादला किया जा सकता है। इसके बावजूद अपीलार्थी के मामले में सक्षम स्तर पर अनुमति लिए बिना ही उसका तबादला सरपंच की झूठी शिकायत के आधार पर कर दिया। इसके अलावा पूर्व में भी अपीलार्थी को परिवीक्षा काल में तीन बार तबादला कर परेशान किया गया। ऐसे में उसके तबादला आदेश को रद्द किया जाए।

मामले की सुनवाई करते हुए अधिकरण ने तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारी से जवाब मांगा है।

हिजबुल्लाह प्रमुख, अपने मुख्यालय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिडिल ईस्ट के आतंकवादी संगठनों के साथ-साथ हूती विद्रोही भी शामिल थे।

आज के वातावरण में इज़रायल सीमा पार जाकर बड़ी सफलता से अपने शत्रु के टारगैट्स को धराशायी कर रहा है तथा आत्मरक्षा के लिए विदेशी भूमि पर हमले के अपने अधिकार का प्रदर्शन कर रहा है। भारत ने भी दो साल पहले ऐसा किया था। यह सब इस बात की कठोर चेतावनी है कि भविष्य में यह प्रवृत्ति और बढ़ेगी।

इस मुद्दे को भाजपा ने कांग्रेस के विरुद्ध अपनी लड़ाई में हरियाणा चुनाव अभियान के दौरान जोर -शोर से उठाया है। हसन नसरल्लाह की हत्या से ईरान भारी दबाव में आ गया है तथा मिडिल ईस्ट में स्थित इस्लामिक आतंकी समूहों का मुख्य संरक्षक होने के उसके स्टेटस को भी क्षति पहुंची है। नसरल्लाह की मृत्यु के बाद यदि ईरान सीधे ही इज़रायल पर हमला करता है तो वो इस पूरे संघर्ष में फंस जाएगा और पश्चिमी देशों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने की उसकी नई कोशिश को धक्का लगेगा।

अगर ईरान खामोश बना रहता है तो उसे उग्रवादी इस्लामिक ग्रुपों के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा तथा उसकी प्रतिष्ठा एवं उग्रवादी संगठनों पर उसका नियंत्रण कम हो जायेगा। इज़राइल की तरफ से हुये इस ताजातरीन हमले का प्रत्युत्तर को और ज्यादा भड़का सकता है।

इज़राइल के खिलाफ सीधे हमले में ईरान की लिप्तता की गंभीर सीमाएं हैं। इसके अलावा, ईरान की लिप्तता एक देश के रूप में, एक सरकार के रूप में होगी, जबकि इसके विपरीत, मौजूदा लिप्तता मुख्यत: हिजबुल्ला जैसे गैर-सरकारी संगठनों की ही थी। ज्ञातव्य है कि दक्षिण लैबनान में हिजबुल्लाह का बेस है। मध्य-पूर्व के इस जवाबी हमले की स्थिति में, अगर अमेरिका ज्यादा सक्रियता से कूद पड़ता है तो फिर जवाब बहुत गंभीर होगा। इज़राइल के खिलाफ ईरान की सीधी लिप्तता निश्चित रूप से अमेरिका को इस मामले में खींच लायेगी तथा विभिन्न क्षेत्रों से होने वाले व्यापक हमलों की स्थिति में, वह इज़राइल की रक्षा के लिये आगे आ जायेगा।

कुछ इराकी ग्रुपों ने इज़रायल पर कुछ छुट-पुट हमले पहले ही शुरु कर दिये हैं, तथा हिजबुल्लाह अपने मुख्य कमांडरों तथा अपने चीफ की मृत्यु से हतोत्साहित भले ही हो गया हो, लेकिन वह इज़रायल पर अपनी मिसाइलों से हवाई हमले कर सकता है। मध्य-पूर्व में नॉन-स्टेट उग्रवादियों की संख्या बहुत बढ़ती जा रही है तथा वे और अधिक सक्रिय होने के लिये बेचैन हो रहे हैं।

इस्लामिक जगत में इस प्रकार के आवेशपूर्ण माहौल के बीच, पाकिस्तान ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुये, यू.एन. जनरल असैम्बली में भारत पर शाब्दिक हमला किया है। पाक प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों को "दोषपूर्ण" कवायद बताया है। शरीफ ने राज्य को विशेष दर्जा देने वाले विवादास्पद अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग की है। उन्होंने अपने भाषण में भारत में अल्पसंख्यक - उत्पीड़न का भी उल्लेख किया है तथा इस्लामिक एकता की जरुरत बताई है।

लेकिन समझने योग्य बात यह है कि पाकिस्तान की रसातल में पहुंच चुकी आन्तरिक स्थिति तथा उसकी घोर आर्थिक असफलता के चलते, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के पास भारत पर प्रहार करने के अलावा, और कोई विकल्प बचा भी नहीं है। पाकिस्तान अब भी, विदेशी ऋण भुगतान संकट से जूझते हुये, आई.एम.एफ. के साथ 'बेल-आउट लोन पैकेज' के लिये बातचीत कर रहा है।

लोक अदालत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। दोनों पक्षों की सहमति से मुकदमों का निस्तारण होने के चलते मामले में अपील भी नहीं होती है। वहीं, प्री लिटिगेशन के जरिए पीड़ित व्यक्ति मुकदमा दायर करने से पूर्व भी आपसी सहमति से विवाद का निस्तारण कर सकते हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

ग्रामीणों की शिकायत पर राज्य व जिला स्तरीय चिकित्सा टीम जांच के लिये नगर गांव पहुंची

जांच में बुखार से पांच मौतें होने की जानकारी मिली, ग्रामीणों द्वारा मौत के बताये आंकड़ों पर असंतोष जताया

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र के नगर गांव में मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप से भयभीत ग्रामीणों द्वारा मालपुरा एसडीएम से शिकायत कर समस्या निस्तारण की मांग के बाद शनिवार को चिकित्सा विभाग के जोन डायरेक्टर ग्रामीण डॉ. एमपी जैन के निर्देशन में नगर पहुंची राज्य व जिला स्तरीय स्वास्थ्य टीम की जांच में बीते दो महिने में महज बुखार से पांच जनों की मौत होना सामने आया, जबकि ग्रामीणों ने शिकायत में 40 से अधिक लोगों की मौत डेंगु बुखार से होने की दी गई थी, जिस पर जांच टीम ने असंतोष जताया।

खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव चौधरी ने बताया कि नगर गांव के ग्रामीणों द्वारा दो दिन पूर्व मालपुरा एसडीएम को पत्र प्रेषित कर गांव में मौसमी बीमारियां तीव्र गति से बढ़ने तथा 40 से अधिक लोगों की मौत होने की जानकारी दी। इस पर एसडीएम मालपुरा ने तत्काल पंचायत समिति विकास अधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर मामले की जांच व लोगों के स्वास्थ्य की जांच के निर्देश दिये थे। जिस पर मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र की चिकित्सा विभाग की टीमों ने डोर टू डोर पहुंच गांव के 882 घरों में सर्वे कर लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी जुटाते हुये रिपोर्ट जिला व प्रदेश कार्यालय को भेजी गई।

नगर गांव में पहुंची प्रदेश व जिला स्तरीय स्वास्थ्य टीम ने डोर टू डोर सर्वे किया।

- **नगर के ग्रामीणों ने 40 से अधिक लोगों की मौत डेंगु बुखार से होने की शिकायत दी थी**

प्रदेश स्तरीय अधिकारियों ने मौसमी बीमारियों के प्रकोप बढ़ने की सूचना व इतनी बड़ी संख्या में मौतें होने के आंकड़े को गंभीरता से लेते हुये शनिवार को जोन डायरेक्टर ग्रामीण हैल्थ डॉ. एसपी जैन, स्टेट प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर चैनरूप सोनी, ईआईएस अधिकारी डॉ. अमित सोनी के साथ जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मेहबूब खान, बीसीएमओ डॉ. संजीव चौधरी, बीसीएमओ कार्यालय एसटीए मुजाहिद टीम के साथ नगर पहुंच मौसमी बीमारियों की चपेट में आये लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर ब्लड के सैम्पल लिये। गांव में डोर टू डोर सर्वे व ग्रामीणों की सूचना सहित विभागीय जांच में सामने आया कि अगस्त व सितम्बर दो माह में नगर गांव में कुल 22 लोगो की मौत हुई है, जिनमें 4 सड़क दुर्घटना से तो महज पांच जने वायरल बुखार की चपेट मे आने से मौत हुई, तो अन्य मौतें अन्य कारणों से होना सामने आया।

ग्रामीणों द्वारा बताये मौत के आंकड़ों की जांच में पुष्टि नहीं होने पर राज्य व जिला स्तरीय जांच दल ने असंतोष जताया। गांव में जगह-जगह जमा बरसाती व सिवरेज के पानी की निकासी तथा गली-मौहल्लों में सफाई के साथ-साथ मकानों की छतों पर रखी पानी की टंकियों एवं पानी के स्टोरेज टैंकों आदि की सफाई के लिये ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों को समझाइश करते हुये गांव में फोगिंग भी करवाई गई।

ऐहतिहात के तौर पर मौसमी बीमारी के लक्षणों की जकड मे आये लोगों की निगरानी के लिये विभाग ने टीम का गठन किया, जो लगातार गांव में मॉनिटरिंग की। गांव के कुछ लोगों द्वारा मौसमी बीमारियों के मौत के आंकड़े की गलत सूचना वायरल कर देने से विभाग को मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि कुछ हद तक चिकित्सा विभाग व ग्राम पंचायत प्रशासन की लापरवाही भी सामने आई है।

श्रीगंगानगर में हिरण शिकार का मामला सामने आया

- **वन्यजीव प्रेमियों ने रेंजर पर नशे में होने का आरोप लगाया, रेंजर ने खुद ही चिकित्सालय में अपना मेडिकल करवाया**
- **वन्यजीव प्रेमियों के अनुसार हिरण का शिकार करने के बाद अज्ञात शिकारी मौके से फरार हुये**

श्रीगंगानगर, (निसं)। वन क्षेत्र में वन्यजीवों के शिकार की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। गांव पदमपुरा के निकटवर्ती चक 6 एसएलडी के पास एक बार फिर हिरण शिकार का मामला सामने आया है। जो कि बीते डेढ़ माह में शिकार की तीसरी घटना है। उधर हिरण शिकार की घटना सामने के आने के बाद वन्यजीव प्रेमियों में रोष फैल गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे रेंजर पवन बिश्नोई को वन्यजीव प्रेमियों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। काफी देर तक वन्यजीव प्रेमियों और रेंजर के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान वन्यजीव प्रेमियों ने रेंजर पर नशे में धुत्त होने का आरोप लगा डाला, जिसके बाद रेंजर ने खुद ही चिकित्सालय पहुंचकर अपना मेडिकल करवाया।

ग्राम पंचायत पदमपुरा के निकटवर्ती चक 6 एसएलडी के पास एक हिरण के शिकार का मामला सामने आया। जिसको लेकर वन्यजीव प्रेमियों में रोष फैल गया। मौके पर देर रात सैकड़ों वन्यजीव प्रेमियों व ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। वन्यजीव प्रेमियों के अनुसार हिरण का शिकार करने के बाद अज्ञात शिकारी मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों ने हिरण के शिकार की सूचना सूरतगढ़ वन विभाग के अधिकारियों को दी। जिस पर वन विभाग के रेंजर पवन बिश्नोई मौके पर पहुंचे और घटना स्थल की पड़ताल करते हुए मामले की जानकारी ली।

वन विभाग के रेंजर ने वन्यजीव प्रेमियों व ग्रामीणों से हिरण का पोस्टमार्टम करवाने के लिए आग्रह किया ताकि पता चल सके हिरण की मौत किस कारण से हुई है लेकिन मौके मौजूद वन्यजीव प्रेमी व ग्रामीण नहीं माने और उन्होंने इसे शिकार की घटना बताते हुए मौके पर ही पोस्टमार्टम करवाने की बात कही। इस मौके पर सुशील गोदारा, कानाराम, हरि बेनीवाल, संदीप, रामनिवास गोदारा, सतवीर गोदारा, संजयपाल आदि ने हिरण के शिकार का आरोप लगाते हुए वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाए। वन्यजीव प्रेमियों ने कहा कि लगातार हो रहे हिरण व अन्य वन्यजीवों के शिकार से वन्यजीव प्रेमियों में काफी रोष है। लेकिन वन विभाग के अधिकारी नहीं चेत रहे हैं। उधर सूचना मिलने के बाद सूरतगढ़ सिटी व राजियासर पुलिस सहित वन विभाग के उच्चाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को शांत करवाने का प्रयास किया। मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुटी हुई थी। रेंजर पवन बिश्नोई ने बताया डॉक्टरों की टीम को घटनास्थल पर ही हिरण का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से नौ साल तक दुष्कर्म किया

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबलिग से नौ साल तक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पड़ोसी में रहने वाले युवक पर शादी का झांसा देकर उसके बालिग होने तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी अजमेर डिस्कॉम में कार्यरत कर्मचारी है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवरगेट थाना प्रभारी श्यामसिंह चारण ने बताया कि एक पीड़िता ने अजमेर डिस्कॉम में कार्यरत कर्मचारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2016 में 10वीं कक्षा में पढ़ती थी, ननिहाल के पड़ोस में रहने वाला युवक उससे हंसी मजाक करता था। जनवरी 2016 में पड़ोसी युवक उसके माता-पिता के निकलने के बाद घर पर आया और कहा कि वह उसके 10वीं बोर्ड के इंपोर्टेंट प्रश्न पेपर लेकर आया है, बाद में उसे पानी लाने के लिए भेज दिया।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी उसे अपने साथ ले गया, जहां उसने कोल्ड ड्रिंक की बोतल पीने के लिए दी थी। आरोपी द्वारा दी गई कोल्ड ड्रिंक को पीने के बाद वह बेसुध हो गई। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

बाद में उसे धमकी दी कि अगर रिश्तेदारों को बताया तो वह उसे बदनाम कर देगा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2019 में वह नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। तब भी आरोपी उसे ब्लैकमेल कर पुष्कर घुमाने ले गया, जहां उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। आरोपी उसे लगातार ब्लैकमेल और झांसा देकर अप्रैल 2024 तक अपनी हवस का शिकार बनाता रहा।

कोटा बैराज के तीन गेट खोले

कोटा, (निसं)। कोटा बैराज के शनिवार को तीन गेट तीन-तीन फीट खोले गए हैं। 11313 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। ज्यादा पानी की आवक होने पर गेट और खोले जा सकते है। वर्तमान में जवाहर सागर बांध से पानी की आवक जारी है।

इस सीजन में कोटा बैराज की बात की जाए तो पानी निकासी के लिए सबसे ज्यादा 6 गेट खोले गए थे। इस सीजन में एक ही बार बैराज के 6 गेट सात सात फीट खोलकर पचास हजार क्यूसेक पानी की निकासी की गई थी। पठारी क्षेत्र में ज्यादा बारिश और एमपी के कैचमेंट एरिया में तेज बारिश के बाद चंबल में पानी की आवक बढ़ती है। जिसके बाद इस पर बने बांधों के गेट खोलकर पानी की निकासी की जाती है। मौसम की बात करें तो कोटा में पिछले एक सप्ताह से गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। तेज गर्मी और उमस ने लोगों को बेहाल कर रखा है। शनिवार सुबह से मौसम में बदलाव हुआ है और धूप नहीं है, लेकिन बारिश नहीं होने से लोग परेशान है।

प्रदेश में करीब डेढ़ करोड़ छात्रों का विषेश प्रकार का कार्ड बनेगा

यह शैक्षणिक आईडी सरकारी स्कूलों के बच्चों के साथ ही निजी स्कूलों के विद्यार्थियों की भी बनेगी

बीकानेर, (निसं)। किस विद्यार्थी ने कौन से स्कूल में कितनी कक्षा तक पढ़ाई की है, इसके बाद वह किस राज्य अथवा किस स्कूल में अध्ययन करने के लिए गया है। बच्चे ने कब स्कूल छोड़ा या ड्रॉप आउट हुआ, ऐसी सभी जानकारियों के लिए अब किसी भी शिक्षक अथवा शाला स्टाफ को ज्यादा माथापच्ची नहीं करनी पड़ेगी। कप्यूटर पर एक क्लिक करके ही विद्यार्थी की शैक्षणिक यात्रा दिख जाएगी। इसके अलावा एक ऐसी आईडी भी बनाई जाएगी, जिससे विद्यार्थी स्वयं भी अपनी यात्रा को ट्रैक कर सकेगा।

- **स्कूल शिक्षा परिषद ने ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउंट रजिस्ट्री (अपार) पर काम शुरू किया**

यह शैक्षणिक आईडी न केवल सरकारी स्कूलों के बच्चों की, बल्कि निजी स्कूलों के विद्यार्थियों की भी बनेगी। स्कूल शिक्षा परिषद ने ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउंट रजिस्ट्री (अपार) पर काम शुरू कर दिया है। अपार के जरिए प्रदेश के सरकारी एवं निजी स्कूलों में अध्ययनरत एक करोड़ 64 लाख 20 हजार 447 विद्यार्थियों की 12 अंकों की आईडी बनाई जाएगी।

विद्यार्थी को एक डिजिटल फाइल ऑनलाइन अलॉट होगी, जिसका एक यूनिक नंबर होगा। फाइल में विद्यार्थी की फोटो सहित सभी प्रकार के एकेडमिक रिकॉर्ड्स, खेल गतिविधियां तथा अन्य जानकारी संकलित रह सकेगी। अपार नंबर यूनिक व परमानेंट रहेगा। इसे विद्यार्थी के आधार के साथ लिंक किया जाएगा। प्रत्येक छात्र की एक अद्वितीय और स्थाई 12-अंकीय आईडी बनाई जाएगी। यह छात्रों को रोजगार तक बेहतर पहुंच के लिए शैक्षणिक रिकॉर्ड आसानी से साझा करने में भी सहायक बनेगा। प्रदेश में 65,425 सरकारी स्कूल संचालित हो रहे हैं।

इसमें प्रारंभिक शिक्षा के 45,685 तथा माध्यमिक शिक्षा के 19,740 विद्यालय हैं। इन दोनों वर्गों के स्कूलों में 78 लाख 20 हजार 447 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इसमें प्रारंभिक शिक्षा के स्कूलों में 24,82,379 एवं माध्यमिक शिक्षा के स्कूलों में 53,38,068 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। जबकि निजी स्कूलों की संख्या 45 हजार है और इनमें करीब 86 लाख विद्यार्थी अध्यनयरत हैं।

नाबालिग विवाहिता के साथ दुष्कर्म करने का आरोप

सुजानगढ़, (नि.सं.)। 15 वर्षीय नाबालिग विवाहिता के साथ दुष्कर्म करने के आरोप का मामला सदर थाने में दर्ज हुआ है।

पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के एक गांव की 15 वर्षीय नाबालिग विवाहिता ने रिपोर्ट में बताया है कि जुलाई 2021 में उसका विवाह हुआ था। उसका पति डेढ़ साल से इटली गया हुआ है तथा ससुर भी पिछले दस साल से विदेश में रहते हैं। रिपोर्ट में बताया कि सास ने घर पर अकेली होने के कारण मुझे ससुराल बुला लिया। जहां मैं एक निजी विद्यालय कक्षा दस में पढ़ाई करती हूं। रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि आरोपी रूपाराम कस्वा पुत्र मोहनलाल जाट का हमारे घर आना जाना है। 25 सितंबर को मेरी स्कूल बस निकल गई थी, मैं पैदल ही स्कूल जाने के लिए रवाना हुई। रास्ते में पीछे से रूपाराम अपनी कैंपर गाड़ी लेकर गांव के टाडा में आया और मुझे स्कूल छोडने की कह कर मुझे अपनी कैंपर गाड़ी में बैठा लिया। कैंपर को स्कूल के बजाय अपने घर की ओर ले जाने लगा तो मैने विरोध किया।वह जबरदस्ती मुझे अपने घर ले गया। मेरे विरोध करने पर उसने जान से मारने व गांव में बेइज्जती करने की धमकी देकर दो बार मेरे साथ खोटा काम किया। रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि रूपाराम ने जबरदस्ती दो घंटे मुझे अपने घर में रखा और उसके बाद स्कूल के सामने छोड़कर भाग गया। स्कूल पहुंचने पर स्कूल वालों ने मेरी सास को मेरे स्कूल आने की सूचना दी। जिस पर मेरी सास ने मेरे काका ससूर को स्कूल भेज कर मुझे घर बुलवा लिया। रूपाराम की धमकी के कारण मैने ससुराल में कोई जानकारी नहीं दी। उसके बाद मैं पीहर चली गई। जहां पर हिम्मत कर मैने मेरी मां को इस बारे में बताया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नहर में गिरी कार, पति बचा, पत्नी कार समेत डूबी

- **12 घंटे बाद कार तो मिल गई, लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं मिला**
- **कार के सामने अचानक पशु आ जाने से अनियंत्रित हो गई और कार नहर में गिर गई**

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर जिले के छतरगढ़ थाना इलाके में रात को एक कार इंदिरा गांधी नहर में गिर गई। कार में पति-पत्नी सवार थे। पति ने तैर कर अपनी जान बचाई। वहीं पत्नी व कार नहर में डूब गई, जिनकी तलाश की जा रही है।

छतरगढ़ पुलिस के अनुसार 660 आरडी सियासर पंचकोसा निवासी अनूप कुमार (28) पुत्र हरीराम धानका और उसकी पत्नी रेणु (26) शाम चार बजे के करीब शेरपुरा 465 पहुंचे थे। शेरपुरा से रात नौ बजे दोनों उसी कार में ढाणी 660 की ओर वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि इस दरम्यान उनकी कार के सामने अचानक पशु आ जाने से कार अनियंत्रित हो गई और नहर में जा गिरी। अनूप के मुताबिक, उसने तैर कर अपनी जान बचाई और हादसे की सूचना परिजनों व पुलिस को दी। हालांकि कार सहित उसकी पत्नी रेणु पानी में डूब गई। हादसे की इत्तला मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन रात को अंधेरा होने से नहर में तलाश नहीं की जा सकी।

एसएचओ संदीप कुमार ने बताया कि सुबह 8 बजे से ही नहर में एसडीआरएफ टीम ने नहर में महिला व कार की तलाश शुरू की। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर कार तो मिल गई, लेकिन महिला का कोई पता नहीं चला। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल का जायजा लिया गया है। प्रथमदृष्ट्या साजिश की आशंका लग रही है। पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है। महिला रेणु के पति अनूप से पुलिस पूछताछ कर रही है।

सांचोर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर बाजार बंद रहे

सांचौर, (निसं)। सांचोर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर शनिवार को चक्काजाम के तहत सम्पूर्ण बाजार बंद रहा। वहीं पिछले चार दिन से चल रहे सांचौर जिला संघर्ष समिति के तत्वावधान पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई, चितलवाना प्रधान प्रतिनिधि हिंदू सिंह विश्नोई, सूर्जनराम बिश्नोई की अनशन करने के कारण तबीयत बिगड़ गई। इस दौरान जिला कलेक्टर शक्तिसिंह ने धरना स्थल पर जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।

- **पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई का अनशन चौथे दिन जिला कलेक्टर ने तुड़वाया**
- **छात्रों ने भी स्कूलों के बाहर रैली निकालकर विरोध-प्रदर्शन किया**

प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई की तबीयत बिगडने पर कलेक्टर शक्तिसिंह ने अनशन तुड़वाया।

जानकारी के अनुसार पिछले साल अगस्त महीने में पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने 19 नए जिलों की घोषणा की थी। इनमें सांचौर भी था। ऐलान के बाद इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई। विधानसभा चुनाव में गहलोत सरकार को हार का सामना करना पड़ा। भाजपा की सरकार आई। नए जिलों के रिव्यू के लिए उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के संयोजन में कैबिनेट सब कमेटी बनाई गई। कहा जा रहा है कि नए बने छोटे जिलों पर संकट आ सकता है। ऐसे में सांचौर को जिला बनाए रखने की मांग को लेकर चार दिन से धरना-प्रदर्शन जारी है। शनिवार को प्रदर्शन का चौथा दिन रहा। संघर्ष समिति के आव्हान पर शहर पूरी तरह से बंद रहा। जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट के बाहर हजारों की संख्या में लोग धरने पर बैठे रहे। वहीं, पिछले चार दिन से अनशन पर बैठे 76 वर्षीय पूर्व राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई की मेडिकल जांच में कीटोन प्लस 3 पाया गया। ऐसे में धरने में मौजूद लोगों ने उनसे अपील की कि स्वास्थ्य को देखते हुए अनशन तोड़ देंवे, लेकिन धरना जारी रखा। इसके बाद शनिवार दोपहर तीन बजे कलेक्टर शक्ति सिंह ने पूर्व मंत्री सहित अन्य को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।

धरना स्थल नजर रखने के साथ ही हाईवे पर जाम की आशंका के मद्देनजर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। मुख्य बाजार से लेकर छोटे-बड़े कस्बे, निजी अस्पताल और निजी स्कूलों से लेकर सरकारी स्कूलें भी बंद रही। छात्रों ने भी स्कूलों के बाहर और रैली निकालकर विरोध-प्रदर्शन किया। वहीं धरने के दौरान पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई सहित कई अन्य नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट के बाहर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

जिला कलेक्टर शक्ति सिंह ने स्थिति पर निगरानी रखने के लिए दो कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। वहीं सरपंच प्रेमा दवी के नेतृत्व में कई महिलाएं कृषि औजार लेकर कलेक्ट्रेट ज्ञापन देने पहुंची और प्रदर्शन किया और जिले को यथावत रखने की मांग की।

इस दौरान नर्मदा नेट के अध्यक्ष राव मोहन सिंह, भीखाराम सारण, व्यापार संघ के अध्यक्ष हर शीलू अमराराम माली, मनोहर सिंह पावरला, विजयपाल सिंह, सरपंच रायसिंह चौधरी, गोमाराम चौधरी ,छोगाराम चौधरी, पूर्व उपप्रधान दरगाराम देवासी, पीराराम देवासी, सुरेश कुमार माहेश्वरी सांचोर, भागीरथ राम बिश्नोई, आसुराम साहू सिवाडा, मांगीलाल सारण सरपंच प्रतिनिधि हरियाली शंकरलाल नैण सरवाना, किशनलाल, नरेश सेट सभापति नगरपरिषद सहित हजारों की संख्या में लोग धरने में मौजूद रहे।

केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर केकड़ी सम्पूर्ण बंद रहा

केकड़ी, (निसं.)। केकड़ी से जिले का दर्जा छिनने की अटकलो के बाद से केकड़ी क्षेत्र में लोगों की नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। शनिवार को बार एसोसिएशन के आव्हान पर केकड़ी पूर्णतया बंद रहा। केकड़ी बंद को सभी व्यापारिक व सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया जिससे बंद का व्यापक असर देखा गया। बाजारों में सुबह से ही सन्नाटा पसरा नजर आया। बंद के चलते बाजार, प्रतिष्ठान और निजी शैक्षणिक संस्थान पूरी तरह से बंद रहे।

- **बार एसोसिएशन ने रविवार को भी केकड़ी बंद का आव्हान किया**

बंद के दौरान केकड़ी के बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा।

इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा के नेतृत्व में अधिवक्ताओ के दल ने बाजारों में घूम-घूम कर आमजन को बंद में सहयोग देने की अपील की। इस मौके पर एसडीएम कार्यालय के बाहर दिया जा रहा धरना प्रदर्शन भी जारी रहा और पूर्ण न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया गया। बार एसोसिएशन ने शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का भी बहिष्कार किया। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा ने बताया कि जिले को हटाने को लेकर लगातार मिल रहे संकेतो के बाद से ही केकड़ी जनता खासी नाराज है, लोगों में आक्रोश व्याप्त है। सरकार ने केकड़ीवासियों को अब तक आश्वस्त नहीं किया है कि सरकार केकड़ी जिले से छेड़छाड़ नहीं करेगी तथा जिले को यथावत रखेगी जिस कारण लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इस चुप्पी और उदासीन रवैये को देखते हुए रविवार को भी केकड़ी बंद का आव्हान किया गया है। सरकार ने जल्दी ही जिले के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया तो आंदोलन को और अधिक उग्र किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

इस मौके पर बड़ी संख्या में जिला बार एसासेसिएशन के अधिवक्तागण मौजूद रहे। जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने लगातार चौथे दिन भी पेनडाउन हड़ताल रखी तथा उपखण्ड कार्यालय के बाहर धरना दिया। बार अध्यक्ष रामावतार मीणा ने बताया कि रविवार को भी केकड़ी बंद रखा जायेगा सरकार अगर फिर भी ठोस आश्वासन नहीं देती है रविवार को आगे की रणनीति बनाकर आन्दोलन को और तेज किया जायेगा। उन्होंने कहा कि केकड़ी जिले से छेडछाड हरगिज बर्दाश्त नहीं की जायेगी, अगर सरकार ने केकड़ी से जिले का दर्जा छिनने का प्रयास किया तो सरकार को इसके बुरे परिणाम भुगतने होंगे। धरना प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता मदनगोपाल चौधरी, हेमन्त जैन, गजराज सिंह राठौड़, हेमराज कानावत, भूपेन्द्र सिंह, अर्जुन सिंह शक्तावत, शिवप्रकाश चौधरी आदि मौजूद थे।

इधर जिला बचाओ समिति के संयोजक राम ावतार सिखवाल के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट के बाहर चल रहा धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने में विभिन्न संगठनों के लोगों ने शामिल होकर अपना समर्थन दिया। इस मौके पर अभियान संयोजक रामवतार सिखवाल, अध्यक्ष रणजीत सिंह केसावत, केकड़ी तहसील अध्यक्ष नन्दलाल गुर्जर, भागचन्द जाट, मोहनलाल बाथरा, रामप्रसाद उपाध्याय, सत्यनारायण चौधरी, बद्रीलाल गुर्जर, छोटूलाल राव, भागचन्द जाट जगरी, सलीम पेंटर, गणेश सेन, मुकेश विजय, रितेश जोशी आदि मौजूद थे। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय कोर्डिनेटर सुमेर सिंह चारण ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र भेजकर केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग की है।

अगर शमी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए फिट नहीं हुए तो दाहिने हाथ के पेसर आकाश दीप सर्वश्रेष्ठ विकल्प होंगे। शमी अनफिट होने के कारण लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर हैं।
– संजय मांजरेकर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर, मोहम्मद शमी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी – अभिनव बिंद्रा

खेल जगत के निशानेबाज अभिनव बिंद्रा अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। अभिनव ने निशानेबाजी में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने साल 2008 में चाइना की धरती पर भारत के स्वर्णिम स्वप्न को साकार करने का काम किया। अभिनव ने पहली बार ओलंपिक खेलों के किसी भी इंडीविजुअल इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का परचम लहराया। उत्तराखंड के देहरादून में 28 सितंबर 1982 को अभिनव बिंद्रा का जन्म हुआ था। उन्होंने दो साल तक दून स्कूल में पढ़ाई की। स्कूली पढ़ाई के दौरान ही वह शूटिंग में दिलचस्पी पैदा हो गई।

क्या आप जानते हैं ?... अपनी टेस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970–71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन बनाए।

गॉल टेस्ट में श्रीलंका मुश्किल में, 88 रन पर सिमटी पहली बारी

एक ही दिन कीवियों ने दो बार बल्लेबाजी की, पारी से हार का संकट गहराया

गॉल, 28 सितंबर। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में फालोऑन खेल रही न्यूजीलैंड का संघर्ष खेल के तीसरे दिन शनिवार को जारी रहा। श्रीलंका के पहली पारी के पांच विकेट पर 602 रन (पारी घोषित) के जवाब में मेहमान टीम पहली पारी में 88 रन पर सिमट गयी थी हालांकि दूसरी पारी में कीवियों ने संघर्ष का जज्बा दिखाते हुये दिन के खेल की समाप्ति तक पांच विकेट पर 199 रन बना लिये थे। पारी की हार से बचने के लिये न्यूजीलैंड को अभी भी 315 रन की दरकार है जबकि श्रीलंका को बचे हुये दो दिन के खेल में पांच मेहमान बल्लेबाजों की गुल्लियां उड़ानी हैं। टॉम लेथम (0) का विकेट गिरने के बाद डेविड कान्वे (61) और केन विलियम्सन (46) ने दूसरे विकेट लिये 97 रन की साझेदारी की हालांकि मध्यक्रम के रचिन रविंद्र (12) और डेरिल मिचेल (1) दूसरी पारी में भी जल्दी अपना विकेट गंवा बैठे। बाद में विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडल (47 नाबाद) और ग्लेन फिलिप्स (32 नाबाद) ने एक बार फिर अपनी टीम के लिये संघर्ष का जज्बा दिखाया। दोनो के बीच अब तक 78 रन की साझेदारी हो चुकी है। श्रीलंका के गेंदबाजों की कोशिश रविवार को सुबह के सत्र में न्यूलीलैंड के बाकी बचे विकेट झटकने की होगा ताकि वह एक बड़ी जीत का मार्ग प्रशस्त कर सके।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल बारिश ने धोया

निराश होकर दोनों टीमें होटल लौटी

कानपुर, 28 सितंबर। भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज के दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल शनिवार को बारिश की भेंट चढ़ गया। बारिश और खराब मौसम के कारण पहले दिन भी सिर्फ 35 ओवर फेंके जा सके थे जिसमें बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में तीन विकेट खोकर 107 रन बनाये थे।

कल रात से रुक रुक कर हो रही बारिश का क्रम आज सुबह करीब 11 बजे थम गया था हालांकि बीच बीच में हल्की बौछारों ने कवर को हटाने का मौका नहीं दिया। मैदानी अंपायरों ने दोपहर दो बजे मैदान का आखिर बार निरीक्षण किया और पिच क्यूरेटर से बात करने के बाद दिन के खेल को रद्द करने का औपचारिक ऐलान कर दिया। इससे पहले दोनो टीमे निर्धारित समय पर मैदान पर पहुंच गयी थीं मगर उन्हे ड्रेसिंग रुम से बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला जिससे निराश होकर दोनों ही टीमे 1130 बजे के आसपास होटल लौट गयी थीं। मौसम विभाग ने रविवार सुबह भी बारिश के आसार जतायें है हालांकि दोपहर बाद मौसम साफ होने और धूप खिलने का अनुमान है जिसके चलते अभी भी मैच में रोमांच बने रहने की संभावना जतायी जा रही है।

राष्ट्रीय सीयिनर वुशू प्रतियोगिता में यूपी में जीते चार स्वर्ण

लखनऊ, 28 सितंबर। उत्तराखंड के देहरादून में 21 से 26 सितंबर तक आयोजित 33वीं राष्ट्रीय सीनियर वुशू प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण, दो रजत व चार कांस्य समेत कुल 10 पदक अपने नाम किए, वहीं यूपी ने सांडा श्रेणी में उपविजेता ट्रॉफी पर भी कब्जा जमा लिया।

उत्तर प्रदेश वुशू एसोसिएशन के महासचिव मनीष कक्कड़ ने बताया कि सांडा वर्ग में उत्तर प्रदेश पुलिस के सूरज यादव ने 70 किठाा से कम, गौतम बुद्ध नगर के अभिषेक तंवर ने 90 किठाा से कम व उत्तर प्रदेश पुलिस की श्रुति ने 70 किठाा से कम वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। ताउलू वर्ग के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पुलिस के रवि सूर्यवंशी ने ननक्वान में स्वर्णिम सफलता हासिल की।

आईपीएल में अनुबंध के अलावा हर मैच के लिये मिलेंगे साढ़े सात लाख : शाह

मुबंई, 28 सितंबर। इंडियन प्रीमियर लीग के मेगा आक्शन की तैयारियों के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने ऐलान किया है कि फ्रेंचाइजी के खिलाड़ियों को अनुबंध के अतिरिक्त हर मैच के लिये साढ़े सात लाख रुपये मैच फीस के तौर पर दिये जायेंगे। शाह ने शनिवार शाम एक्स पर पोस्ट किया आईपीएल में निरंतरता और उत्कृष्ट प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम में, हम अपने क्रिकेटरों के लिए प्रति गेम 7.5 लाख रुपये की मैच फीस शुरू करने से रोमांचित हैं। एक सीज़न में सभी लीग मैच खेलने वाले क्रिकेटर को उनकी अनुबंधित राशि के अतिरिक्त 1.05 करोड़ रूपये अतिरिक्त मिलेंगे। उन्होने कहा प्रत्येक फ्रेंचाइजी सीजन के लिए मैच फीस के रूप में 12.60 करोड़ रुपये आवंटित करेगी। यह आईपीएल और हमारे खिलाड़ियों के लिए एक नया युग है। बीसीसीआई के इस निर्णय को उन अनकैप्ड खिलाड़ियों के लिये अहम माना जा रहा है जिन्हे बेस प्राइज पर खरीदा जाता है और वे अन्य अनुबंधित खिलाड़ियों की तुलना में एक सीजन में बहुत ही कम पैसा कमा पाते हैं। इस फैसले का यह भी मतलब है कि आगामी सीजन के लिए टीमों के पर्स (पास रहने वाली रकम) अमाउंट में भी इजाफा कर सकता है।

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज में मयंक, राणा को जगह

मुबंई, 28 सितंबर। बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने छह अक्टूबर से शुरु होने वाली तीन मैचों की टी–20 सीरीज के लिये 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा शनिवार को कर दी गयी। 2026 में टी20 विश्वकप को ध्यान में रखते हुये टीम में युवा प्रतिभाओं को तवज्जो दी गयी है। इस साल आईपीएल में तूफानी रफ्तार से गेंद फेंक कर दुनिया का ध्यान खींचने वाले मयंक यादव को पहली बार भारतीय टीम में चुना गया है। मयंक ने पिछले आईपीएल में आरसीबी के खिलाफ 156.7 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। हालांकि आईपीएल के दौरान चोट ने उन्हे परेशान किया था। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी की राह देख रहे ईशान किशन को अभी फिलहाल इंतजार करना होगा। चयन समिति ने उनकी बजाय पंजाब के जितेश शर्मा को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर टीम में शामिल किया है वहीं शुभमन गिल की जगह पंजाब के अभिषेक शर्मा को टीम में जगह दी गयी है। अभिषेक ने श्रीलंका दौरे के दौरान अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया था। यशस्वी जायसवाल को भी बांग्लादेश सीरीज में आराम दिया गया है। 15 सदस्यीय टीम में जितेश के अलावा संजू सैमसन विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर टीम प्रबंधन के लिये उपलब्ध रहेंगे वहीं रिषभ पंत को नवंबर में शुरु होने वाले आस्ट्रेलिया सीरीज को ध्यान में रखते हुये आराम दिया गया है। दिल्ली के हर्षित राणा और नितीश रेड्डी भी पहली बार टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं जबकि फिरकी गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती की भी करीब ढ ाई साल बाद टीम में वापसी हो गई। भारत छह अक्तूबर से बांग्लादेश के ख़िलाफ़ कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में तीन मैचों टी20 सीरीज़ खेलेगा। भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नीतिश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, वरूण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव।

एआईटीए ने नये पदाधिकारियों का चुनाव किया

अदालत के निर्देश पर परिणाम रोका गया

नई दिल्ली, 28 सितंबर। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने नये पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन कर लिया, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार परिणाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई। अदालत में महासंघ द्वारा खेल संहिता के उल्लंघन की याचिका पर सुनवाई जारी है। एआईटीए को अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में चुनाव करवाना था, लेकिन मतदान की जरूरत नहीं हुई क्योंकि निर्वाचन अधिकारी को प्रत्येक पद के लिए केवल एक नामांकन प्राप्त हुआ था।इस चुनाव में नये अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष के अलावा आठ उपाध्यक्ष, चार संयुक्त सचिव और कार्यकारी परिषद के 10 सदस्य चुने गये हैं। यह पता चला था कि रोहित राजपाल और एक अन्य उम्मीदवार ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था लेकिन भारतीय डेविस कप के गैर–खिलाड़ी कप्तान रहे राजपाल ने बाद में अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ियों सोमदेव देववर्मन और पूरव राजा ने एआईटीए चुनावों पर रोक लगाने की मांग की थी।उनका दावा था कि महासंघ खेल संहिता का पालन नहीं कर रहा है और चुनाव लड़ने वाले कई उम्मीदवार इसके लिए योग्य नहीं है।

अदालत ने इस याचिका पर चुनावों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन एआईटीए और खेल मंत्रालय से अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा, '' चुनाव तत्काल रिट याचिका के परिणाम के अधीन रहेगा। चुनाव के परिणाम को चुनाव अधिकारी द्वारा सीलबंद लिफाफे में रखा जाएगा, जिसका अर्थ है कि चुनाव के परिणाम को प्रकाशित नहीं किया जाएगा। इस मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। मामले की सुनवाई तक पदाधिकारियों की नयी और पुरानी टीम संयुक्त रूप से महासंघ का ध्यान रखेगी।

राजधानी

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में गांधी वाटिका के निर्माण में हुआ भ्रष्टाचार : मदन दिलावर

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर गांधी के मूल्यों, सिद्धांतों एवं संघर्ष को प्रदर्शित करने वाले गांधी दर्शन म्यूजियम (गांधी वाटिका) का संचालन 2 अक्टूबर से किया जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को सेंट्रल पार्क स्थित गांधी वाटिका का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने म्यूजियम में साफ–सफाई और दीवारों पर अंकित भिति चित्रों का अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिलावर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का गांधी और उनके सिद्धांतों से दूर–दूर तक कोई सरोकार नहीं है। इस पार्टी ने केवल गांधी नाम का इस्तेमाल अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए किया है। उन्होंने कहा कि गांधी के बताए सत्य, अहिंसा और सच्चाई के रास्ते पर चलने की बजाए कांग्रेस के लोग केवल उनके नाम का ढिंढोरा पीट रहे हैं और वर्तमान में कांग्रेस का नेतृत्व कर रहे लोग गांधी उपनाम का इस्तेमाल कर जनता को भ्रमित कर रहे हैं। दिलावर ने कहा कि कांग्रेस के एक बड़े परिवार ने गांधी

- **'रामराज्य और राजस्थान की गौरवशाली परंपरा को दिया जाएगा म्यूजियम में स्थान'**

सरनेम जोड़कर राजनीतिक लाभ लिया, जो कि महात्मा गांधी के सिद्धांतों का सबसे बड़ा हत्यारा है। दिलावर ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में गांधी वाटिका के निर्माण में भी भ्रष्टाचार हुआ और घटिया दर्जे का कोटा स्टोन लगाया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गांधीवादी होने का और गांधी परिवार के निष्ठावान होने का सिर्फ राजनीतिक इस्तेमाल करते हैं। दिलावर ने कहा कि गांधी के मुताबिक सच्चे लोकतंत्र की अवधारणा रामराज्य में ही निहित है। मगर कांग्रेस सरकार ने रामराज्य की अवधारणा से संबंधित किसी भी प्रकार के विचारों और उनसे संबंधित चित्रों को गांधी वाटिका में जगह नहीं दी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार रामराज्य के साथ ही राजस्थान की गौरवशाली परंपरा और सुनहरे इतिहास के साथ ही महाराणा प्रताप, मीरा बाई तथा पन्नाधाय जैसी महान विभूतियों के जीवन चरित्र से संबंधित प्रतीकों और चित्रों को गांधी वाटिका में शामिल करेगी।मदन दिलावर ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा गांधी दर्शन म्यूजियम (गांधी वाटिका) का बेहतर संचालन किया जाएगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि गांधी जी के जीवन की पूरी और सही जानकारी आमजन को मिल सके और लोग उसे अपने जीवन में आत्मसात कर गांधी जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चल सकें।

शॉपर्स स्टॉप पर छह हजार का हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, प्रथम ने उपभोक्ता से विज्ञापन वाले कैरी बैग के रुपए वसूलने पर शॉपर्स स्टॉप पर छह हजार पांच सौ रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही आयोग ने कैरी बैग के लिए वसूली गई 9 रुपए की राशि ब्याज सहित लौटाने को कहा है। आयोग अध्यक्ष सूबे सिंह यादव और सदस्य नीलम शर्मा ने यह आदेश जसवंत शर्मा के परिवाद पर दिए।

परिवाद में अधिवक्ता राजकुमार टोंगावत ने कहा कि परिवादी 16 जून, 2019 को कपड़े खरीदने शॉपर्स स्टॉप गया था। जहां उसने कपडे खरीदकर 5111 रुपए का बिल चुकाया। इस दौरान उसे पता चला कि दुकानदार ने बिल में कैरी बैग के 9 रुपए जोडे हैं। जबकि उस बैग पर शॉपर्स स्टॉप का विज्ञापन था। इस पर परिवादी ने बैग नहीं लेने का हवाला देते हुए 9 रुपए वापस मांगे, लेकिन दुकानदार ने रुपए देने से इनकार कर दिया। परिवाद में कहा गया कि परिवादी से कैरी बैग की राशि वसूल करना सेवा दोष की श्रेणी में आता है। ऐसे में उसे मानसिक संताप के तौर पर क्षितपूर्ति राशि दिलाई जाए।

इसके जवाब में विक्रेता की ओर से अधिवक्ता आलोक जैन ने कहा कि खरीदारी के दौरान परिवादी ने कैरी बैग मांगा था और उसके कर्मचारी ने बता दिया था कि कंपनी की पॉलिसी के तहत बैग फ्री नहीं दिया जाता है। इसकी जानकारी होने पर परिवादी स्वेच्छा से कैरी बैग की राशि देकर बैग लिया था। ऐसे में विक्रेता की ओर से किसी तरह का सेवा दोष नहीं किया गया है। इसलिए परिवाद को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आयोग ने माना कि कैरी बैग के लिए उपभोक्ता से वसूली करना गलत है। इसके साथ ही अदालत ने दुकानदार पर हर्जाना लगाया है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को जयपुर नगर निगम हेरिटेज की नवनियुक्त महापौर कुसुम यादव को नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जयपुर ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर भी मौजूद थी।

समझौते हमारे जीने की राह आसान बना देंगे : न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह

राष्ट्रीय वीजीयू आर. के. रस्तोगी मेमोरियल नेशनल नेगोशिएशन प्रतियोगिता में सोलिसीटर जनरल आर.डी.रस्तोगी ने अतिथियों का स्वागत किया

जयपुर। विवेकानन्द ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जगतपुरा में द्वितीय राष्ट्रीय वीजीयू आर. के. रस्तोगी मेमोरियल नेशनल नेगोशिएशन प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को हुआ। प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह थे। जबकि विशिष्ट अतिथि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनिंदर मोहन श्रीवास्तव थे। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अवनीश झिंगन एवं उच्चतम न्यायालय के रिटायर्ड न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी विशेष अतिथि के रूप में शाामिल थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने कहा कि देश की विधि व्यवस्था का भविष्य युवा पीढी के हाथों में सुरक्षित है। उन्होने कहा कि आज पारिवारिक विवाद के मामले बढ रहे हैं जिसमें घरेलू हिंसा के मामले ज्यादा हैं इससे तलाक के मामले भी बढ़ रहे हैं। उन्होने कहा कि भगवान कृष्ण ने महाभारत युद्व रोकने के दोनों पक्षों में मध्यस्था की भूमिका निभाई। कौरव सेना नहीं मानी, इसका नतीजा विनाशकारी हुआ। न्यायमूर्ति मसीह ने कहा कि हर व्यक्ति निगोशिएटर बने और निगोशिएशन करना भी सीखें। इससे हमें कई समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। आज हर कोई व्यक्ति किसी ना किसी रूप में प्रोफेशन के अलावा निजी जीवन में विभिन्न समस्याओं से ग्रस्त है। ऐसे में अगर हमने समझौते और समझाईश की राह अपना ली तो इनसे आसानी छुटकारा पा सकते है जो हमारे जीने की राह आसान बना देगा।उच्चतम न्यायालय के रिटायर्ड न्यायाधीश अजय रस्तोगी ने कहा कि हम सभी में उदारता होनी चाहिए। समाज के लिए हम क्या कर सकते हैं जो लोग समाज का भला करते हैं वे वास्तव मे इसमें अपना प्रचार नहीं करते हैं। चैरिटी कम हो या ज्यादा मैटर नहीं रखता बल्कि महत्व है यह आप किसके लिए कर रहे हो कब तक कर रहे हो। अपनी क्षमता के अनुसार कितनी मानवीयता है।कर्यक्रम अध्यक्षता करते हुए राज उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस मनिंदर मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि मुझे इस इवेंट का हिस्सा बनकर गर्व हो रहा है। नेगोशिएसन स्पर्धा आज महत्वपूर्ण इवेंट है। जब में लॉ का विद्यार्थी था मैंने आत्मकथा पढनी शुरू की और प्रेरणा मिली। हमें महान लोगों की जीवन से हम हमेशा सीखते रहना चाहिए। यहां बोलना और सवांद करना मुझे नया अनभव देता है। उन्होने कहा कि कठिन परिश्रम सफलता की जननी है। सफलता का कोई शार्ट कट नहीं है। भारत के अतिरिक्त सोलिसिटर जनरल आर. डी. रस्तोगी ने दो दिवसीय इवेंट में आयोजित स्पर्धाओं के बारे में विस्तार से बताया।

विवेकानन्द ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जगतपुरा में राष्ट्रीय वीजीयू आर. के. रस्तोगी मेमोरियल नेशनल नेगोशिएशन प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने संबोधित किया।

- **हमें महान लोगों के जीवन से सीखते रहना चाहिये : चीफ जस्टिस मनिंदर मोहन श्रीवास्तव**
- **हम सभी में उदारता होनी चाहिए : न्यायाधीश अजय रस्तोगी**

किशनगढ़ फायरिंग मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किया

अजमेर, (कासं)। किशनगढ़ के गांधीनगर थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग मामले में शनिवार को अजमेर एसपी वंदिता राणा ने खुलासा किया है। एसपी वंदिता राणा ने बताया कि मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दो आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं जिन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

- **मामले में दो आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं**

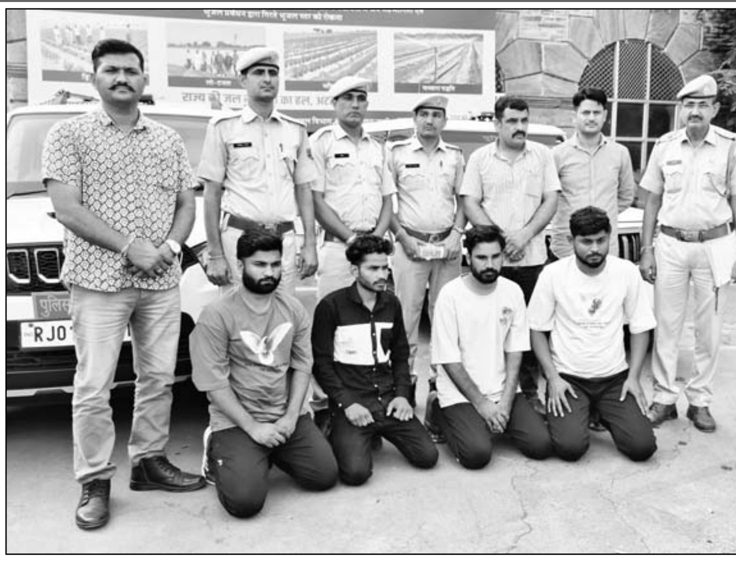

गांधीनगर थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अजमेर एसपी वंदिता राणा ने बताया कि 23 सितंबर को परिवादी विक्रम चौधरी ने बताया कि उसकी पार्किंग में पुरानी रंजिश को लेकर मोजरा भाई आशीष पार्किंग में पहुंचा और वहां पर मनोज जाट, आशीष नायक, सुरेंद्र घिसाल, निखिल यादव, इमरान मंसूरी और एक अन्य युवक मौजूद था। जिन्होंने शराब का सेवन किया और वहां बैठने लगे तभी उन्होंने मना किया तो गाली-गलौच शुरू कर दी और इसी बीच उन्होंने मारपीट कर बंदूक निकाल और वहां फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया।

इसे लेकर रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया तो इस मामले में मनोज चौधरी, आकाश नायक, निखिल कुमार और सुमित परिहार को गिरफ्तार कर लिया। अभी भी दो आरोपी मामले में फरार चल रहे हैं जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस ने इस वारदात में शामिल हथियार भी बरामद कर लिया है। इस वारदात के पीछे की कहानी को लेकर आरोपियों से गहनता से पड़ताल की जा रही है।

डॉक्टर महेश बैरवा को कारण बताओ नोटिस

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के सबसे बड़े महात्मा गांधी चिकित्सालय में डॉक्टर महेश बैरवा द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार का खुलासा होने के बाद एक और जहां मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल वर्षा सिंह ने जांच कमेटी का गठन किया है तो वहीं दूसरी ओर एमजी हॉस्पिटल के पीएम डॉ. अरुण गौड़ ने इस मामले में चिकित्सक बैरवा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

जानकारी के अनुसार जिले के सबसे बड़े एमजी हॉस्पिटल में ऑपरेशन के नाम पर डॉक्टर महेश बैरवा द्वारा योजना पर तरीके से हॉस्पिटल के अन्य स्टाफ के जरिए सरकारी योजना में शामिल नहीं मरीज से रिश्वत राशि वसूली जाती थी। एक के बाद एक दो शिकायतकर्ता और इस पूरे भ्रष्टाचार के खेल के वीडियो सामने आने के बाद भी चिकित्सा विभाग दोषी डॉक्टर महेश बैरवा को बचाने के तरीके ढूंढ रहा है।

शिकायतकर्ता मुरलीधर सिंधी ने आशंका जताई है कि विभाग द्वारा गठित की गई टीम में शामिल डॉक्टर वीरेंद्र सिंह और डॉक्टर दिनेश बैरवा जो कि महेश बैरवा के सहयोगी हैं उनसे इस मामले में निष्पक्ष जांच की उम्मीद करना बेकार है। ऐसे में पीड़ित मुरलीधर के बेटे का कहना है कि उन्होंने अब इस मामले में कानून का सहारा लेने की तैयारी कर ली है और जल्द से जल्द दोषी डॉक्टर के खिलाफ एक्शन नहीं लिया जाता है तो वह कानूनी प्रक्रिया को अंजाम देंगे।

फायरिंग करने के चार आरोपी पकड़े, दो नाबालिग निरुद्ध

घर में घुसकर फायरिंग करने के चार आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा।

कोटा, (निसं)। शहर के मकबरा थाना इलाके में घर में घुसकर फायरिंग करने के 4 आरोपी व 2 नाबालिग को पुलिस ने पकड़ा है। वारदात का मुख्य आरोपी संदीप सोलंकी (35) निवासी मोखापाड़ा कैथूनीपोल थाने का हिस्ट्रीशीटर है। 19 दिन पहले उसके भांजे तुषार का कृष्णा नाम के किशोर से झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश के चलते संदीप ने अपने साथियों के साथ मिलकर कृष्णा के घर में घुसकर जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाई थी।

- **बच्चों के झगड़े में घर घुसकर हमला किया था, गोली लगने से कुत्ते की मौत हुई थी**
- **रंजिश के चलते घर में घुसकर जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाई थी**

सिटी एसपी डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि 6 सितंबर को चौथ माता गली निवासी परिवादी जितेंद्र सिंह के भतीजे कृष्णा व आरोपी के भांजे तुषार के बीच झगड़ा हुआ था। जिसका कैथूनीपोल थाने में मामला दर्ज हुआ। 25 सितंबर की रात साढ़े 10 बजे करीब आरोपी संदीप ने पहले कृष्णा के घर में होने की जानकारी की, फिर अपने साथियों के साथ मिलकर पिस्टल व चाकू से घर में घुसकर हमला किया। परिवादी के भतीजे कृष्णा पर जान से मारने की नीयत से फायर किया।

फायरिंग में घर में मौजूद पालतू मादा कुत्ते की मौत हो गई थी। परिवादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। फायरिंग के मुख्य आरोपी संदीप सोलंकी, विकास आर्य (28), निखिल आर्य (30) निवासी ब्रजराजपुरा, थाना मकबरा व गगन मेहरा को बापर्दा गिरफ्तार किया, जबकि दो नाबालिग को पकड़ा है। गगन के खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में हत्या के प्रयास सहित आर्म्स एक्ट के 6 मामले दर्ज हैं।

भाजपा कार्यकर्ता कमल के फूल को जीताने के लिए तैयारी करें : अग्रवाल

जयपुर। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ अलवर प्रवास पर रहे और कार्यकर्ताओं में जोश, उत्साह और नई उमंग का संचार किया। प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने आगामी रामगढ़ विधानसभा उपचुनावों के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता कमल के फूल को अपना प्रत्याशी मानकर पार्टी को चुनाव जिताएंगे। पार्टी आलाकमान प्रत्याशी का चुनाव करेगा, वहीं हम सबके लिए सर्वमान्य होगा।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. अग्रवाल ने कहा कि रामगढ़ विधानसभा में भाजपा से प्रत्याशी चाहे जो भी हो, हमें कमल के फूल को अपना प्रत्याशी मानकर एकजुटता का प्रदर्शन कर पार्टी को मजबूत बनाना है। चुनाव एक ऐसा पर्व होता है जिसमें एक कार्यकर्ता की परीक्षा होती है, जिसमें हमें दिन-रात मेहनत करनी पड़ती है। हमें अभी घर-घर जाकर नए सदस्य बनाकर उन्हें पार्टी की विचारधारा से जोड़ना है। इससे उपचुनावों में पार्टी को मजबूत जनसमर्थन मिलेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि रामगढ़ के उपचुनावों में भाजपा के कार्यकर्ताओं को डबल इंजन सरकार के विकास के नाम पर वोट मांगना है। भाजपा के सदस्यता अभियान में हमें आमजन को पार्टी की विचारधारा के साथ जोड़ने का कार्य करना है। हमें संगठन को मजबूत बनाने के लिए घर-घर जाकर जन संपर्क करना है और जनता को राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ना है। मदन राठौड़ ने शक्ति केंद्र संयोजक गोपाल राजपुत का सम्मान किया और कहा कि कार्यकर्ता वह है जो संगठन के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं। इस दौरान जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष पं धर्मवीर शर्मा, बहरोड़ विधायक जसवंत सिंह यादव सहित काफी संख्या में नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

महिला सहित दो की मौत

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर जिले के ऋषभदेव तहसील के समीप शुक्रवार शाम को बिजली गिरने से अलग-अलग इलाकों में एक गर्भवती महिला और एक बच्चे की मौत हो गई। यह घटना क्षेत्र के कोजावाडा और परेडा गांव हुई। ग्रामीणों के अनुसार शाम करीब चार बजे मौसम बदला और बिजली गिरने से कोजावाडा में 12 साल का गजेंद्र पुत्र नेमा मीणा की मौत हो गई। गजेंद्र गाय और बकरी लेकर जंगल में गया था और यह घटना हो गई। इसी प्रकार परेडा निवासी कैलाश कुंवर पत्नी अजीत सिंह (25) भैंस चराने गई हुई थी कि बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। यहीं नहीं पास ही भैंस पर भी बिजली गिरी जिससे उसकी भी मौत हो गई।

झुंझुनूं विधानसभा उपचुनाव के रण में उतरे एम.डी. चोपदार

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान मदरसा बोर्ड चेयरमैन एम.डी. चोपदार ने जयपुर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से उनके निवास स्थान पर शिष्टाचार भेंट की और झुंझुनूं विधानसभा के उपचुनाव के संदर्भ में विस्तृत राजनीतिक चर्चा की एवं झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से टीकाराम जूली को अवगत करवाया।

- **नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से मिलकर झुंझुनूं विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस से टिकट की मांग की**

चोपदार ने जूली के सामने झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र से अपनी दावेदारी प्रस्तुत करते हुये कहा कि झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र से अल्पसंख्यक समुदाय के किसी भी व्यक्ति को आजादी से लेकर आज तक प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं दिया गया है जबकि अल्पसंख्यक समाज सदैव कांग्रेस के साथ खड़ा रहा है। अब समय आ गया है कि अल्पसंख्यक समाज को भी प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया जाये।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से मिलकर एम.डी. चोपदार ने झुंझुनूं विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस से टिकट की दावेदारी जताई

चोपदार ने कहा कि वे पिछले 25 वर्षों से पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता के रूप में पार्टी हित में कार्य कर रहे है और 36 बिरादरी के सुख-दुःख में सदैव साथ रहते हैं। झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र की जनता के बीच उन्होंने समाजसेवी के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है और सर्व समाज के साथ उनके अच्छे संबंध है। राजस्थान मदरसा बोर्ड चेयरमैन के पद की जो जिम्मेदारी पार्टी ने उन्हें दी है उसको भी वे बखूबी निभा रहे हैं और दिन-रात मेहनत कर राजस्थान भर में अल्पसंख्यकों को पार्टी से जोड़ने का कार्य उन्होंने किया हैं। चोपदार ने कहा कि वे अतिशीघ्र ही प्रदेश के प्रभारी, वरिष्ठ नेताओं एवं आलाकमान से मुलाकात करके भी झुंझुनूं विधानसभा से अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

गोगुंदा के कुडाऊ गांव में एक और आदमखोर पैंथर पिंजरे में कैद

उदयपुर, (का.सं.)। शनिवार को जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र की मजावद ग्राम पंचायत के कुडाऊ गांव की भील बस्ती के पास एक और पैंथर को पकडा गया है। पैंथर ने बुधवार रात को पांच साल की बच्ची का शिकार किया था।

- **आदमखोर पैंथर ने पांच वर्षीय एक बच्ची का शिकार किया था**
- **गोगुंदा से तीन किमी दूर चाटियाखेडी के राणा गांव में पैंथर के घुसने से ग्रामीण दहशत में**

शुक्रवार देर रात गोगुंदा पंचायत के कुंडाऊ गांव में पैंथर को पकड़ने के लिए लगाए गए पिंजरे में एक पैंथर फंस गया और उसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली लेकिन अब गोगुंदा मुख्यालय से मात्र तीन किलोमीटर दूर चाटिया खेडी के राणा गांव में पैंथर के घुसने से ग्रामीण दहशत में आ गए हैं। पैंथर ने कुल आठ भेडों पर शिकार किया, उसमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं दूसरी और चार की हालत गंभीर है वहीं एक भेड को उठाकर जंगल में ले गया। पैंथर के इस हमले से ग्रामीणों में दहशत होने के बावजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पूरा गांव लगातार हो रहे पैंथर के हमले से दहशत में था। वन विभाग की टीम पैंथर की तलाश में थी। उसे पकड़ने लिए पिंजरा लगाया गया था, जिसमें शुक्रवार रात करीब ढाई बजे कैद हो गया। इस क्षेत्र में यह तीसरा पैंथर पिंजरे में आया है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी अर्जुन लाल मीणा के अनुसार पैंथर को पिंजरे सहित पहाडी इलाके से नीचे लेकर आए और उदयपुर के सज्जनगढ बायोलोजिकल पार्क ले जाया गया।उल्लेखनीय है कि गोगुंदा इलाके में मजावद ग्राम पंचायत के कुडाऊ गांव की भील बस्ती से 25 सितंबर को 5 साल की बच्ची सूरज पुत्री गमेर लाल गमेती को पैंथर उठा लेकर गया था। जंगल में बच्ची की कटी हुई हथेली मिली थी। उससे कुछ दूर आगे उसका शव पड़ा था। ग्रामीण कुछ कर पाते इससे पहले ही झाड़ियों के बीच से पैंथर आया और शव उठाकर ले गया। इसके बाद वन विभाग ने पैंथर और बच्ची के शव की तलाश शुरू की। करीब 17 घंटे बाद 26 सितंबर की दोपहर करीब 12 बजे बच्ची की सिर कटी बॉडी मिली थी। पैंथर की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी रखा गया। हमले जारी रखते हुए गोगुंदा से पांच किलोमीटर दूर राणा गांव में शुक्रवार रात 9.30० बजे पैंथर ने एक बाडे में घुसकर 4 भेडों का शिकार कर लिया। घटना से घरावण, नयावास व राणा गांव में दहशत का माहौल है।

ग्रामीणों का कहना है कि अभी निगरानी जरूरी है। मौके पर मौजूद कुडाऊ गांव के गुलाबसिंह ने बताया. बच्ची की मौत के बाद से डर बना हुआ है। पकड़ा गया पैंथर ही आदमखोर है, इसको लेकर अभी कुछ साफ नहीं है। पैंथर 26 सितंबर की शाम करीब साढे सात बजे भी पिंजरे के पास से निकला था लेकिन उसके अंदर नहीं गया। वनकर्मियों को इसकी सूचना मिली तो उन्होंने आला अधिकारियों को भी बताया। इस बीच उसी रात सवा बारह बजे एक जरख पिंजरे के पास आया था। उसके पिंजरे से टकराने से पिंजरा बंद हो गया था। पैंथर की तलाश के लिए पांच अलग-अलग टीमें लगा रखी थी, जो लगातार निगरानी कर रही थी। आसपास के इलाके में भी चार पिंजरे लगाए गए थे। कुडाऊ गांव के पास पहाड़ी पर लगे पिंजरे में पैंथर कैद हो गया।

घर में घुसे बदमाश सीसीटीवी में आए नजर

कोटा, (निसं)। शहर के गुमानपुरा थाना इलाके में घर में घुसकर चोरी की कोशिश करने का मामला सामने आया है। बदमाश करीब 45 मिनट तक गैलरी में तोड़फोड़ करते रहे लेकिन कमरों में नहीं घुस सके। छोटा-मोटा सामान लेकर फरार हो गए। सुबह खिड़की की जाली टूटी मिली तो परिजनों ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए। तब जाकर बदमाशों की करतूतों का पता लगा। पीड़ित ने गुमानपुरा थाना में इसकी शिकायत दी।

न्यू कॉलोनी निवासी कार्तिक शर्मा ने बताया कि घटना 26 सितंबर रात की है। रात 2 बजकर 15 मिनट के आसपास तीन बदमाश दीवार फांद कर घर में घुसे। एक बदमाश के कंधे पर बैग था। बदमाशों के हाथ में हथियार भी थे। बदमाशों ने गैलरी में लगे गेटो को तोड़कर कमरों में घुसने की कोशिश की। बदमाशों गेट के नट बोल्ट खोल दिए। खिड़की पर लगी लोहे की जाली को भी तोड़ दिया। जाली को एक साईड में रख दिया। उसके बाद भी बदमाश कमरों में नहीं घुस सके। करीब 3 बजे के आसपास बदमाश घर से छोटा-मोटा सामान चोरी करके फरार हो गए। घर में 150-200 किलो लोहे का सामान पड़ा था। बदमाश उसे नहीं ले जा सके। वारदात के वक्त घर में परिवार के 6-7 सदस्य मौजूद थे। सुबह 6 बजे उठकर मॉर्निंग वॉक के निकला तो गैलरी में एक साईड पर टूटी हुई जाली पड़ी हुई थी। गेट के नट बोल्ट इधर-उधर पड़े थे। जिसके बाद सीसीटीवी फुटेज चेक किए। फुटेज में तीन बदमाश घर में तोड़फोड़ करते दिखाई दिए।

बाइक पर गांजा लेकर आ रहा एक व्यक्ति गिरफ्तार

पुलिस को देख आरोपी भागने लगा तो पुलिस ने पिछा कर पकड़ा

खेतड़ी, (निसं)। बबाई पुलिस ने शनिवार को अवैध गांजे की सप्लाई पर कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा व बाइक भी बरामद की है।

थानाधिकारी सरदारमल यादव ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ को लेकर पुलिस की टीम क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रही थी। इस दौरान सूचना मिली कि हरड़िया रोड़ से एक बाइक सवार अवैध मादक पदार्थ लेकर आ रहा है तथा क्षेत्र में सप्लाई करने वाला हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी प्रवीण कुमार नायक ने एक विशेष टीम का गठन कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिस पर पुलिस की टीम ने बबाई बाईपास से कांकरिया स्थित झांकरिया मोड़ पर पहुंची तो सफेद रंग की अपाचे बाइक पर एक व्यक्ति बैठा हुआ दिया तथा वह किसी का इंतजार कर रहा था। जब पुलिस की टीम वहां पहुंची तो आरोपी पुलिस को देखकर नौरंगपुरा की ओर भागने लगा। पुलिस को संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने पर उसकी घेराबंदी कर हिरासत में लिया। पुलिस ने जब उनकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से अवैध रूप से लाया गया गांजा पाया गया। जब पुलिस ने उनसे गांजे के बारे में पूछताछ की तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जिस पर पुलिस ने कंजर बस्ती दलेलपुरा निवासी संजय कुमार पुत्र रघुवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध गांजा व परिवहन में काम में ली जाने वाली बाइक को जब्त कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा अवैध तस्करी से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान पुलिस टीम में थानाधिकारी सरदारमल यादव, एचसी सुगन सिंह, कांस्टेबल रमेश कुमार, राजेश कुमार, अर्जून लाल आदि शामिल थे।

डूंगरपुर में 29 सेंटर पर सीईटी की परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न

जांच के दौरान महिलाओं के गहने और दुपट्टे उतरवाये, एक घंटे पहले एंट्री बंद की

सीईटी परीक्षा के दूसरे दिन स्कूल में परीक्षा देकर आते परीक्षार्थी।

डूंगरपुर, (निसं)। सीईटी परीक्षा का शनिवार को दूसरा दिन है। दूसरे दिन भी दो पारियों में परीक्षा हुई। जिले के 29 परीक्षा केंद्रों पर 2 घंटे पहले परीक्षार्थियों की एंट्री शुरू कर दी। परीक्षार्थियों को एंट्री से पहले कड़ी जांच से गुजरना पड़ा। महिलाओं के जेवर से लेकर दुपट्टे और फुल आस्तीन के शर्ट से लेकर कुर्ती के आस्तीन काटे या बदलवाए गए। ऐसे में परीक्षार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार सीईटी परीक्षा का पहला दिन शांतिपूर्ण रहने के बाद दूसरे दिन की परीक्षाएं आयोजित हुई। शनिवार को सुबह 6 बजे से ही परीक्षार्थी सेंटर में पहुंचना शुरू हो गए। जिले में सभी 29 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 7 बजे से एंट्री शुरू हो गई। गेट पर पुलिसकर्मियों और वीक्षक ने एडमिशन कार्ड की जांच के साथ ही पूरी तलाशी के बाद एंट्री दी। गेट पर ही परिक्षार्थियों को मोबाइल, घडी, बेल्ट कड़ा या किसी तरह के जेवर नहीं पहनकर आने के लिए चेतावनी भी दी गई। महिला परिक्षार्थियों के दुपट्टे उतरवाए गए। मंगलसूत्र, नाक, कान के झुमके, हाथों के कंगन, पैरों की पायल सब कुछ उतरवा दिए। वहीं फुल आस्तीन के शर्ट हो या फिर महिलाओं के कुर्ती उनकी बाह कैंची से काटी गई या फिर बदलकर आने के लिए कहा गया। विद्या निकेतन स्कूल नई बस्ती में एक युवक सड़क पर ही खड़े होकर शर्ट बदलने लगा और दोस्त का टी-शर्ट पहनकर बाद में परीक्षा केंद्र में गया। इसके बाद 8 बजते ही परीक्षा केंद्र में एंट्री बंद कर दी। इसके बाद 9 बजे से पहली पारी का पेपर शुरू हो गया। दोपहर 12 बजे पहली परीक्षा खत्म होने के बाद दूसरी पारी का पेपर 3 बजे से शुरू हुआ।

सीईटी परीक्षा के दौरान दो घण्टे तक बिजली बंद रही

डूंगरपुर, (निसं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम के अधिकारियों की नाकामी व लापरवाही के चलते शहर की विद्युत व्यवस्था में पिछले चार महिनों से कोई सुधार नहीं हो रहा है, जबकि इस दौरान रख-रखाव के नाम पर विद्युत आपूर्ति बंद रखी गई है, लेकिन व्यवस्था वहीं ढाक के तीन पात है।

- **परीक्षा केन्द्रों पर हुए परेशान परीक्षार्थी, आकाश में छाये हुऐ थे बादल**

शनिवार को तो भीतरी शहर के परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी सीईटी की परीक्षा दे रहे थे और उसी दौरान विद्युत आपूर्ति तीन बजे बाद गुल हो गई जो कि शाम 6 बजे तक परीक्षा समाप्ति के पश्चात तक बहाल नहीं हो पाई। जबकि इधर दिनभर बारिश के कारण घनघोर घटाएं आकाश में छाई हुई थी और दिन में भी बत्तीयां जलाकर वाहनधारियों को गुजरना पड़ रहा था। ऐसे में परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों की परेशानी को ना तो विभाग और ना ही जिला प्रशासन ने देखी। जिससे परीक्षार्थी परेशान होते रहे।

शहर में शनिवार प्रातः से ही बिजली की आंख मिचौली जारी थी और दोपहर 3 बजे बाद तो भीतरी शहर का पूरा भाग अंधेरे में डूब गया। यही नहीं रख-रखाव की बात भी आये दिन सामने आती रहती है, लेकिन इसके बावजूद विद्युत पोलों में करंट दौड़ने की घटनाएं कम नहीं हुई है। गुरूवार को भी घाटी क्षेत्र में करंट लगने से एक गाय तो बच गई लेकिन बकरी चपेट में आ गई और मौत हो गई। शहरी क्षेत्र में लम्बे समय से हो रही विद्युत आपूर्ति में परेशानी को लेकर कई बार शहरवासियों ने जिला कलेक्टर व निगम के आलाधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे हैं लेकिन व्यवस्था में सुधार की बजाए और अधिक बिगाड़ हो रहा है और समस्या की निदान की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

इयरफोन लगाकर पटरी पर लेटा, सिर धड़ से अलग

कोटा, (निसं)। कोटा-बारां रेल्वे लाईन पर एक युवक कान में ईयर फोन लगाकर लेट गया। ट्रेन की चपेट में आने उसकी गर्दन धड़ से अलग हो गई। युवक की मौत हो गई।

घटना शुक्रवार रात 9 बजे के आसपास सिमलिया थाना क्षेत्र की है। युवक सुनील (21) भांडाहेड़ा गांव का रहने वाला था।

खेती व मजदूरी करता था। सिमलिया थाना एएसआई सीताराम ने बताया कि सुनील शाम को 7 बजे अपने घर से मामा के यहां देवपुरा जाने की कह कर निकला था।

कोटा-बारां रेलवे लाइन पर कल्याणपुरा फाटक के आगे रेलवे ट्रैक पर जाकर सो गया। उसने कान में ईयर फोन लगा रखे थे।

ट्रेन की चपेट में आने उसकी मौत हो गई। उसकी गर्दन धड़ से अलग हो गई। सूचना पर मौके पर गए। डेड बॉडी के पास शराब का क्वॉटर मिला है। परिजनों ने बताया कि सुनील हमेशा इयरफोन लगा कर गाने सुनता था। शराब पीने का आदी था।

परिवार में किसी की बात नहीं मानता था। रात को भी मामा के यहां जाने की कहकर निकला था। परिजनों ने बताया कि उसकी किसी से कहासुनी व झगड़ा नहीं हुआ।

प्रारंभिक जांच में सुसाईड का मामला लग रहा है। शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है। परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोटा में पैर पसार रहा है डेंगू, एक की मौत, प्रशासन कर रहा है रोकने के प्रयास

डेंगू के अब तक 178 मामले सामने आ चुके हैं

कोटा, (निसं)। मौसमी बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। डेंगू, चिकनगुनिया और स्क्रब टायफस कोटा में लगातार पर पैर पसार रहा है। डेंगू के अब तक 178 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं एक नर्सिंग छात्र की मौत डेंगू से ही होना सामने आ रहा है। उसकी रिपोर्ट 23 तारीख को डेंगू पॉजीटिव आई थी। इसके बाद तबीयत बिगड़ने पर

■ **नर्सिंग छात्र की मौत डेंगू से ही होना सामने आ रहा है। उसकी रिपोर्ट 23 तारीख को डेंगू पॉजीटिव आई थी**

कोटा में डेंगू की रोकथाम के लिए अस्पतालों में बेड पर मच्छरदानी लगाई जा रही है ।

उसके परिजनों ने पहले इटावा और फिर कोटा मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में भर्ती करवाया था। जहां पर चंद घंटे भर्ती रहने के बाद ही उसकी मौत हो गई थी। दूसरी तरफ कोटा में भयावह हालत डेंगू को लेकर हो गए हैं। यहां तक कि अस्पतालों में भी मच्छरदानी लगानी पड़ रही है। संभाग के सबसे बड़े मातृ एवं शिशु चिकित्सालय जेके लोन अस्पताल में मच्छरों का इतना खतरा हो गया है कि मच्छरदानी से मरीजों का बचाव करना पड़ रहा है। नवजात और शिशुओं को डेंगू से बचने के लिए कई बेड पर मच्छरदानी लगाई गई है। एक मच्छर जाली वाले बेड में तीन से चार नवजातों को रखा गया है। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल के अधीक्षक डॉ.आशुतोष शर्मा का कहना है कि 26 सितंबर को शाम 4.00 बजे के आसपास इमरजेंसी में एक बालिका को इटावा से रेफर कर परिजन लेकर आए थे। उसकी तबीयत ज्यादा बिगडी हुई थी। डेंगू के सिम्टम्स के अनुसार ही उसके परिजनों ने बताए थे और डॉक्टर की पुरानी प्रिस्क्रिप्शन में भी यही था। इसीलिए डेंगू मानकर ही उसका इलाज किया गया था। परिजनों का कहना है कि 19 वर्षीय छात्र कोटा के एमबीएस अस्पताल परिसर स्थित एएनएम ट्रेंनिंग सेंटर में अध्यनरत थी और वह मूल रूप जिले के इटावा इलाके के करवाड़ गांव निवासी थी। कोटा में लगातार बुखार आने पर 22 सितंबर को जांच करवाई थी जिसमें डेंगू की रिपोर्ट 23 सितंबर को पॉजिटिव आई थी। तबीयत ठीक होने पर वह 25 सितंबर को गांव चली गई। जहां पर उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। परिजनों ने पहले उसे इटावा में भर्ती रखा था वहां भी तबीयत बिगड़ने पर 26 सितंबर को कोटा लेकर गए थे जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था।

कोटा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जगदीश सोनी का कहना है कि नाजिया की मौत के बारे में जांच पड़ताल करवा रहे हैं। जिस मरीज की मौत हुई है वह डेंगू पॉजिटिव थी। ऐसे में पूरे मामले के डेथ ऑडिट करवाई जाएगी।

मेले में होंगे रामलला विग्रह के दर्शन

कोटा, (निसं)। 131वें राष्ट्रीय मेला दशहरा में इस बार सनातन संस्कृति की बयार बहती नजर आएगी। मेला परिसर में पहली बार इस्कॉन टेंपल बेंगलुरु की कोटा शाखा हरे कृष्ण मंदिर द्वारा श्रीराम लला की भव्य झांकी बनाई जा रही है। मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने बताया कि मेला प्रांगण में मुख्य प्रवेश द्वार के पास ही 1200 वर्ग फीट का वॉटर प्रूफ डोम तैयार किया जा रहा है, जिसका स्वरूप मंदिर कन्होगा। इस डोम में भगवान श्रीराम लला की आकर्षक झांकी सजाई जाएगी, जो अयोध्या में श्रीराम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला के विग्रह के समान ही होगी। वहीं पंडाल में एक और राम दरबार और श्रीराम की लीला से संबंधित झांकियां बनेगी तो दूसरी ओर भगवान श्रीकृष्ण और श्रीमद्भगवत गीता से जुड़ी शिक्षाओं की झांकियां सजेंगी। हरे कृष्ण मंदिर के कॉ-ऑर्डिनेटर अंकुर शर्मा ने बताया कि श्रीराम दरबार मंदिर के माध्यम से दशहरे मेले में सनातन संस्कृति की झलक मिलेगी। अयोध्या जाकर श्रीराम लला के विग्रह के दर्शन करने जैसी अनुभूति मिल सकेगी। यहाँ प्रतिदिन भगवान के विग्रह का श्रृंगार होगा। भगवान श्रीराम और गीता के संदेश देती हुई झांकियां तैयार की जा रही हैं। इस अनूठे धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को संतों के द्वारा गीता के उपदेश भी दिए जायेंगे। साथ ही यहां मथुरा, वृंदावन और जयपुर की भजन मंडलियां कीर्तन भी करेंगी। यह प्रतिदिन शाम 4 से रात 12 तक खुलेगा, जिसमे हरे कृष्ण मंदिर की ओर से प्रतिदिन भिन्न-भिन्न प्रकार का प्रसादम वितरित किए जाएंगे।

सार-समाचार

सेवा भारती को भेंट की 4 सिलाई मशीन

कोटा, (निसं)। अग्र आरोही महिला मंच की ओर से शनिवार को सेवा भारती, कोटा महानगर के श्याम नगर सिलाई प्रशिक्षण केंद्र को चार सिलाई मशीन भेंट की गईं। अध्यक्ष शालू अग्रवाल ने बताया कि अग्र आरोही हमारी बहनों को सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत हैं। सचिव पूजा मित्तल ने आगे भी समय-समय पर सेवा भारती के माध्यम से इनका सहयोग करते रहने की बात कही। इस अवसर पर अग्र आरोही महिला मंच की उपाध्यक्ष अल्का अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य कीर्ति अग्रवाल, संगीता रूंगटा एवं ऋतु गोयल भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सेवा भारती के आधिकारी मोहन मुरारी सोनी, अरुण सिंह चौहान, रामगोपाल नामा, धर्म जागरण प्रमुख दिनेश चंद्र गौतम एवं महिला सदस्य विजय गौतम भी मौजूद रहे।

शिविर में 49 यूनिट रक्त संग्रह

कोटा, (निसं)। अखिल भारतीय अग्रवाल सेवा उत्थान समिति कोटा संभाग के तत्वावधान में शनिवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। सम्भागीय अध्यक्ष मोहनलाल अग्रवाल ने बताया कि सूर्यवंश महाराजा अग्रसेन के 5149वें जन्मोत्सव के अवसर पर संस्था द्वारा साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत अग्रवाल ब्लड बैंक शीला चौधरी रोड तलवंडी पर रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें 49 यूनिट रक्त संग्रह हुआ।

हर बूथ पर होगा मन की बात कार्यक्रम

कोटा, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का शनिवार को सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर प्रसारण होगा। कार्यक्रम सहसंयोजक नरेंद्र मोहन गौतम ने बताया कि जिलेभर में प्रत्येक बूथ पर मन की बात कार्यक्रम को लाईव सुनने के लिए कार्यकर्ता एकत्रित होंगे। इसके बाद अधिकतम संख्या दिवस के रूप में सदस्यता अभियान भी किया जाएगा। इस दौरान जिला अध्यक्ष प्रेम गोचर और मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक ललित शर्मा भी मौजूद रहेंगे।

आरक्षण उप वर्गीकरण पर होगा मंथन

कोटा, (निसं)। मां चर्मण्यवती (चंबल) की धरा हाड़ौती क्षेत्र ने वाल्मीकि समाज का पहला सांसद, पहला विधायक, पहला जिला प्रमुख, पहला सफाई आयोग का अध्यक्ष दिया है और अब आरक्षण उप वर्गीकरण को लेकर राज्यस्तरीय रणनीति भी कोटा में बनेगी। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक सुरेश पचेरवाल ने बताया कि रविवार को प्रातः 10 बजे कंचन रिसोर्ट थेकड़ा रोड़ बोरखेड़ा पर समाज के सभी प्रबुद्धजन उपस्थित रहेंगे जो उप वर्गीकरण को लेकर महामंथन करेंगे और यहां से आगे आंदोलन को मूर्त रूप दिया जाएगा।

महाराव इज्यराज सिंह को किया निमंत्रित

कोटा, (निसं)। मेला दशहरा के विभिन्न कार्यक्रमों में गणमान्य प्रबुद्धजनों को निमंत्रित करने की शुरुआत नगर निगम ने शनिवार से कर दी। मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी, मेला अधिकारी जवाहरलाल जैन तथा अतिरिक्त मेला अधिकारी महेश चंद्र गोयल ने शनिवार को पहला निमंत्रण पत्र विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश के चरणों में अर्पित किया। इसके बाद तीनों महाराव इज्यराज सिंह से मिले और उन्हें भी मेले के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए सपरिवार निमंत्रित किया। मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने महाराव इज्यराज सिंह को मेले की तैयारी की जानकारी दी तथा इस वर्ष किए जा रहे नवाचारों के बारे में भी बताया। महाराज इज्यराज सिंह ने मेला समिति तथा निगम अधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि मेले को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए और अधिक कोशिश करें।

मंदिर में महादान उत्सव मनाया

कोटा, (निसं)। शुद्धाद्वैत प्रथम पीठ श्री बड़े मथुराधीश मंदिर पर शनिवार को अश्विन कृष्ण एकादशी पर महादान उत्सव मनाया गया। इस दौरान दानगढ़ और मानगढ़ का मनोरथ हुआ। प्रभु निज चौक में विराजे। ठाकुर जी को गिरिराज के बीच पधराया गया। इस दौरान मंदिर में केले के पत्ते, पुष्प और मालाओं से सुंदर सजावट की गई थी। ठाकुरजी के दान मनोरथ पर दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही और जयकारे गूंजते रहे। इस अवसर पर प्रभु को मुकुट काछनी का भारी श्रृंगार धराया गया। साथ में, दही की मटकी फोड़ने के लिए लंबी लकुटी भी रखी गई।

नवागंतुक छात्रों को शैक्षिक वातावरण से परिचित कराया

कोटा, (निसं)। मोदी ग्रुप द्वारा संचालित नयागांव स्थित मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमआईटी में नए स्ट्रीम बीबीए और बीसीए के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम-2024 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनके पाठ्यक्रम, कॉलेज की संरचना और शैक्षिक वातावरण से परिचित कराना था। कार्यक्रम के इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो.विवेक पांडे परीक्षा नियंत्रक एवं प्रो.धीरज कुमार पवललिया, डीन एकेडमिक्स, राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी, मोदी ग्रुप के चेयरमेन सुशील मोदी, ग्रुप डाइरेक्टर राघव मोदी एमआईटी के प्राचार्य डॉ.विकास सोनी द्वारा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो.विवेक पांडे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके पास वह क्षमता है जो दुनिया को बदल सकती हैं। सफलता केवल किताबों से नहीं, बल्कि कठिन परिश्रम, दृढ़ निश्चय और सही दृष्टिकोण से प्राप्त होती है। मुख्य अतिथि प्रो.धीरज कुमार पवललिया ने छात्रों को सलाह दी कि वे केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि समस्याओं को हल करने की क्षमता, नवाचार और क्रिटिकल थिंकिंग पर भी ध्यान केंद्रित करें। ग्रुप डायरेक्टर राघव मोदी कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है, जो उनकी शिक्षा और सामाजिक विकास के लिए प्रतिबद्धता और मेहनत का प्रतीक है। वाईस चेयरमैन सुशील मोदी ने कहा कि कॉलेज का मुख्य उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास है। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न वर्कशॉप और सेमिनार में सक्रिय भागीदारी की सलाह दी। प्राचार्य डॉ. विकास सोनी ने आने वाले 15 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम और पूरे सत्र में आयोजित होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी।

मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमआईटी में नए स्ट्रीम बीबीए और बीसीए के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम-2024 का आयोजन किया गया।

मुख्यालय जबलपुर के पीसीओएम ने कोटा में संरक्षा निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय जबलपुर के प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक (पीसीओएम) गुरिंदर मोहन सिंह ने कोटा मंडल में संरक्षा निरीक्षण किया।

कोटा में संरक्षा निरीक्षण के दौरान विश्वस्तरीय तर्ज पर 111.18 करोड़ की लागत से चल रहे डकनिया तलाव रेलवे का पुनर्विकास कार्य की प्रगति का निरीक्षण कर जायजा लिया। साथ ही डकनिया में आरक्षण कार्यालय का मुवायना किया एवं यात्री सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त कोटा में रूट रिले इंटरलॉकिंग पैनल की जाँच की जहाँ ट्रेन संचालन से जुड़े सभी संरक्षा पहलुओं का निरीक्षण किया। तत्पश्चात मंडल के नियंत्रण कार्यालय में निरीक्षण किया। कंट्रोल कार्यालय में ट्रेनों के परिचालन से जुड़े सभी विभाग के समन्वय एवं कार्य प्रणाली का निरीक्षण किया।

जनसुनवाईः कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर सोमवार को प्रातः 10 बजे उपखंड मुख्यालय परिसर कनवास में जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

खोया-पाया

मकान नंबर 1 च 3 दादाबाड़ी कोटा का असल कब्जा पत्र एवं असल इन्वेंट्री डिक्लेरेशन कही गुम हो गए है, मिलने पर सूचित करें। वीरेन्द्र कुमार मालू पुत्र स्व. रतन चंद्र मालव, मो. 9414252256

बेटे के जन्मदिन पर परिवारजनों ने किया रक्तदान

कोटा, (निसं)। टीम जीवनदाता द्वारा लोगों को प्रेरित कर उनके जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित करने का सिलसिला जारी है। टीम जीवनदाता निरंतर प्रयास रहती है, इसी के चलते लोग अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ व अन्य आयोजनों पर रक्तदान करते हैं, ऐसे में सेन परिवार ने अपने बेटे श्रेयांश का जन्मदिन रक्तदान कर मनाया। पिता महावीर सेन ने पत्नी ममता को साथ लेकर रक्तदान शिविर लगाए जाने के लिए कहा तो वह सहज तैयार हो गई और तीनों अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे। टीम जीवनदाता के सहसंयोजक वर्धमान जैन ने बताया कि लायंस क्लब कोटा टेक्नो के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें श्रेयांश के माता-पिता व परिवारजन के साथ मित्रगण ने भी रक्तदान कर उसे जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। पिता महावीर ने संकल्प लिया कि वह नियमित इस तरह से ही जन्मदिन अब मनाते रहेंगे। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के अध्यक्ष ए के गुप्ता ने बताया की इस परंपरा को अब संस्कार बनाकर बेटा अट्ठारह वर्ष पूर्ण होते ही रक्तदान करना प्रारंभ करेगा।

वर्ल्ड हार्ट डे पर आज दौड़ेंगे

कोटा, (निसं)। विश्व हृदय दिवस के मौके पर कोटा के लोग हृदय की बीमारियों के लिए शहर में रविवार को सुबह चलेंगे, दोड़ेंगे, हृदय संबंधी योग करेंगे और हैल्दी भोजन के लाभ और उसे बनाने के तरीके जानेंगे।

पैदल चलने की इवेंट में लोग परिवार के साथ भाग ले सकेंगे। जयपुर, दिल्ली, इंदौर, सूरत, जोधपुर, समेत अनेक शहरों से भी लोग इसमें शामिल होंगे। वॉक-रन-ओ-योगा नाम से यह दौड़ कोटा हार्ट इंस्टीट्यूट और श्रीजी अस्पताल द्वारा आयोजित हो रही है। कार्यक्रम में फिटनेस स्क्वायर जिम, इटोस इवेंट्स, कोटा सहोदय कॉम्पलेक्स, रोटरी क्लब, लॉयेंस क्लब कोटा टेक्नो, कोटा इवेंट एसोसिएशन व एलन कैरियर इंस्टिट्यूट की भागीदारी है। इस वर्ष का वर्ल्ड हार्ट डे का थीम है-अपने दिल को गतिविधियों में सम्मिलित करे। तीनों आयोजन इन्द्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र स्थित रोड़ नंबर पांच पर श्रीजी हास्पिटल में आयोजित किए जाएंगे। आयोजन प्रमुख डॉ.नीता जिंदल ने बताया कि रविवार को प्रातः 5.30 बजे से विभिन्न गतिविधियां की जाएंगी।

वाँक एन रन कार्यक्रम सुबह 6 बजे से शुरू होगा। मुख्य अतिथि शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन और विशिष्ठ अतिथि इनशेप जिम के संस्थापक अजय सेठी मुख्य अतिथि होगे। कुल 5 किमी. कि दौड़ होगी। इसके साथ ही हैल्थी हार्ट कुकिंग कोन्टेस्ट भी आयोजित किया जाएगा। यह एक रेसिपी कांटेस्ट है।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्रमांक: LU2012/KOT/2024-25/100783 **लोक सूचना** दिनांक: 27/09/2024

श्री CHETAN SAINI पुत्र श्री ISHWAR LAL SAINI जाति MALI निवासी 86/R-A RK PURAM ENGINEERING COLLEGE KOTA ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	सुखपुरा, लाडपुरा (कोटा)	Simranjeet Singh Siddhu S/o Inderjeet Singh Sa.chawani Kota Deh Khatedar	120/32	4480	0.448
				कुल	0.448

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 27-09-2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

मकान का छज्जा गिरा, नीचे खड़े वाहन दबे

कोटा, (निसं)। शहर के लाड़पुरा क्षेत्र में रामपुरा इलाके में तीन मंजिला मकान के पहली मंजिल का छज्जा भरभराकर नीचे गिर गया। छज्जे के साथ ही फर्नीचर भी नीचे आ गया। धमाके के आवाज होते ही आस-पड़ोस के लोग घरों से बाहर निकल कर आए। गनीमत रही हादसे के वक्त गली में लोगों की आवाजाही नहीं थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। छज्जा गिरने से नीचे खड़े 4-5 वाहन दब गए। हादसे के वक्त परिवार के लोग दूसरे कमरे में थे। स्थानीय लोगों ने नगर निगम को इसकी सूचना दी। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

घटना आर्य समाज रोड़ विक्रम चौक की दोपहर 2 बजे के आसपास की बताई गई। स्थानीय निवासी राजेश ने बताया कि मकान ओम प्रकाश अग्रवाल का है। लगभग 40 से 50 साल पुराना मकान है। मकान के आगे छज्जा निकला हुआ था।

जिसमें लंबी पट्टियां लगी हुई थी। दोपहर में पहली मंजिल का छज्जा अचानक से गिर गया। हादसे के बाद इलाके की बिजली बंद करवाई गई। स्थानीय पार्षद भी मौके पर पहुंचे। मलबा हटाने का काम शुरू हुआ। हादसे के वक्त परिवार के सदस्य दूसरे कमरे में थे। गनीमत रही कोई जनहानि नहीं हुई। मलबे में 4-5 बाइक दब गई। स्थानीय वार्ड पार्षद सुनील शर्मा ने बताया कि हादसे की सूचना पर मौके पर आया। राहत कार्य शुरू करवाया।

पशुपालकों के आतंक व गंदगी से आम जनता परेशान

पशुपालक योजना में रियायती भूखंड लेकर फिर अतिक्रमण कर रहे है

कोटा, (निसं)। पूर्व नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने 19 जून, 2022 कोटा शहर को केटल फ्री व साफ-सुथरा बनाने के लिये महत्वाकांशी प्रदेश की प्रथम देवनारायण रिहायशी योजना को लागू किया था। जिसमें 1227 पशुपालकों द्वारा 15000 मवेशियों को पालने के लिये सुविधायुक्त कॉलोनी विकसित की गई है। लेकिन पेयजल के लिये एक ही टंकी होने से पशुपालक फिर से शहर में लौट रहे हैं। प्रत्येक वाडों की आवासीय कॉलोनियों में मवेशियों की संख्या बढ़कर 2000 से अधिक हो गई है। उनसे रोजाना फैलने वाली गंदगी कई गुना बढ़ चुकी है। केडीए एवं नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते द्वारा इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाये। शहर की आवासीय कॉलेनियों में पशुपालक सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर मवेशियों के तबेले बनाते जा रहे हैं। जिससे शहर में गंदगी व मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। जबकि अधिकांश पशुपालकों को यूआईटी द्वारा देवनारायण योजना में सस्ते भूखंड एवं आवास आवंटित किये जा चुके हैं। जिला प्रशासन एवं केडीए प्रशासन की अनदेखी का लाभ उठाकर सैकडों पशुपालक आवासीय कॉलोनियों में गाय-भैंसे बांधकर गंदगी का साम्राज्य फैलाकर दूध बेचने का कारोबार कर रहे हैं। जबकि यूआईटी द्वारा देवनारायण पशुपालक योजना में रियायती दरों पर भूखंड इस शर्त पर आवंटित किये गये थे कि जो भी पशुपालक भूखंड प्राप्त करके शहर में मवेशी रखेंगे, उनके भूखंड निरस्त कर दिये जायेंगे। वार्ड विकास समिति, महिला मोर्चा एवं नागरिक संगठनों ने जिला कलक्टर डॉ.रविंद्र गोस्वामी से अपील की कि कोटा को पर्यटन नगरी बनाने के लिये केडीए को शहर को केटल मुक्त बनाने पर सख्ती से अभियान प्रारंभ करना होगा। अन्यथा पशुपालकों द्वारा फैलाई जा रही गंदगी से स्मार्ट सिटी कोट में स्वच्छता का सपना कभी पूरा नहीं हो सकेगा। नये शहर में तलवंडी, महावीर नगर प्रथम, सुभाष नगर, महावीर नगर तृतीय, गणेश नगर, आरकेपुरम, श्रीनाथपुरम आदि आवासीय कॉलोनियों में जगह-जगह पशुपालकों ने मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण कर मवेशियों के तबेले बना लिये हैं।

कोटा शहर की सड़कों पर अब जगह-जगह मवेशी नजर आने लगे हैं ।

लोक अदालत में 68 हजार से अधिक मामलों का निस्तारण

कोटा, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोटा सत्यनारायण व्यास की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में आज इस वर्ष की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय पर संबंधित न्यायालयों एवं एडीआर सेन्टर कोटा में किया गया। तालुका स्तर पर रामगंजमण्डी, इटावा, दीगोद, सांगोद एवं कनवास में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी प्रकार के राजीनामा योग्य लगभग 55113 लंबित मामले एवं प्रीलिटिगेशन के लगभग 50162. मामले सुनवाई हेतु रखे गए। जिसमें राजस्व विवाद, उपभोक्ता विवाद, अन्य अधिकरणो आयोग, मंचो, आथोरिटी, आयुक्त, प्राधिकारियों के क्षेत्राधिकार से सबंधित प्रकरण, शमनीय दाण्डिक अपराध, चैक अनादरण के मामलें, बैंक वसूली मामले, मोटर दुर्घटना मामले, एम.ए.सी.टी. मामले, पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले बिजली, पानी व बीएसएनएल के बिल के राजीनामा योग्य मामले, फसल बीमा, बेरोजगारी भत्तो से संबंधित मामले, मजदूरी, भत्ते और पेंशन भत्तों से संबंधित सेवा मामले, किराया, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा एवं विनिर्दिष्ट पालना आदि दावो से सम्बंधित सिविल दावे आदि निस्तारण हेतु रखे गए।

कार्यालय नगर निगम, कोटा-दक्षिण, कोटा, राजस्थान

क्रमांकः-ननिको-द./उपायुक्त जोन द्वितीय/भ.नि.अनु./2024/10794 दिनांक: 27.9.24

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रविन्द्र सिंह, श्री परमिन्दर सिंह सिकरवार, श्री केशव सिंह व श्री कुलभूषण सिंह पुत्रान स्व. श्री सत्यभान सिंह निवासी भूखंड संख्या 9-एफ-11 महावीर नगर तृतीय योजना कोटा दक्षिण द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 9-एफ-11 महावीर नगर तृतीय योजना कोटा क्षेत्रफल 165.60 वर्गमीटर का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का आवेदन किया है। भूखंड संख्या 9-एफ-11 महावीर नगर तृतीय योजना कोटा क्षेत्रफल 165.60 वर्गमीटर का नियमितिकरण पत्र एवं अदेय प्रमाण पत्र राजस्थान आवासन मंडल कोटा वृत कोटा के पत्र क्रमांकः-7803 दिनांक 27.03.1995 को श्री सत्यभान सिंह पुत्र श्री उल्फत सिंह को जारी किया गया है। श्री सत्यभान सिंह की मृत्यु दिनांक 15.05.2024 को हो जाने के उपरांत उनके जीवित विधिक वारिसान 1. श्रीमती जय देवी पत्नी स्व. श्री सत्यभान सिंह 2. सुश्री चन्द्रप्रभा पुत्री स्व. श्री सत्यभान सिंह ने रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र दिनांक 02.09.2024 से उक्त भूखंड में निहित अपना-अपना हिस्सा आवेदक श्री रविन्द्र सिंह, श्री परमिन्दर सिंह सिकरवार, श्री केशव सिंह व श्री कुलभूषण सिंह पुत्रान स्व. श्री सत्यभान सिंह के पक्ष में त्याग दिया है। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत हकत्याग पत्र के आधार पर नामांतरण चाहा गया है। उक्त भूखंड संख्या 9-एफ-11 महावीर नगर तृतीय योजना आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त द्वितीय कक्ष में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कृषि भूमि रुपान्तरण नगर परिषद बारां

क्रमांकः-नपबा/रुपा./2024/6921-22 **लोक सूचना** दिनांकः-27.09.2024

श्री रामगोपाल पुत्र रामप्रताप जाति मीना निवासी पीलिया कालोनी गजनपुरा तह. व जिला बारां राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (व्यवसायिक प्रयोजनार्थ) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
बारां तहसील व जिला बारां	नलका	658/77	0.60 है. में से 929.36 वर्गमीटर

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुर्क्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज.......को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी आयुक्त नगर परिषद बारां

MARUTI SUZUKI
NEXA
BUILT FOR THE THRILL
RUN ON S-CNG RUN ON WHAT YOU LOVE
BALENO
GRAND VITARA
XL6
FRONX
GREATER SAFETY
• Dual Solenoid System
• Leak-proof & Corrosion-resistant Design
UNMATCHED FUEL EFFICIENCY
30.6* km/kg Baleno CNG (MT)
26.6* km/kg Grand Vitara CNG (ZETA)
26.3* km/kg XL6 CNG (ZETA)
28.5* km/kg Fronx CNG (MT)
BETTER PERFORMANCE
• Dual VVT (Variable Valve Timing) Technology
• High Compression Ratio CNG Engine
ENHANCED COMFORT
• Modified Rear Suspension Design
VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO GET EXCITING OFFERS UP TO ₹ 37 100*
Scan to chat on WhatsApp
KOTA: NEXA BARAN ATRU ROAD (BHATIA & COMPANY PH: 7300077090), NEXA AERODROME CIRCLE (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619).
Contact us at 1800-200-[6392], 1800-102-[NEXA] and visit www.nexaexperience.com to book online.
*Terms & conditions apply. Creative visualisation. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. For details on functioning of safety features, including airbags, kindly refers to owner's manual.
Car model and accessories shown may vary from the actual product and car colour may vary due to printing on paper. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point without any advance notice. Maruti Suzuki Subscribe available only in selected cities. Fuel efficiency as certified by test agency under rule 115 of CMVR 1989. All offers are applicable till 30th September'24 or till stocks last.